हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

Digital Edition

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 05 • अंक 513 • पृष्ठ 8 • दुमका, रविवार 22 जून 2025 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

संक्षिप्त समाचार

मध्यप्रदेश में राजधानी एक्सप्रेस पर पथराव

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश में राजधानी एक्सप्रेस पर पथराव किए जाने के बाद रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने मामले की जांच शुरू कर दी है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार रात को रानी कमलापति (पहले हबीबगंज) और भोपाल स्टेशनों के बीच केएसआर बेंगलुरु-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस (22691) पर हुए पथराव की घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। इस संबंध में एक यात्री ने बताया कि जब वह खाना खा रहा था, तो खिड़की का शीशा टूटा और एक पत्थर उसकी प्लेट पर आ गिरा।

वांछित भगोड़े को यूएई से वापस लाया गया

नई दिल्ली/भाषा। गुजरात पुलिस द्वारा 3.66 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में वांछित एक भगोड़े को इंटरपोल के जरिये सीबीआई समन्वित एक अभियान में संयुक्त अरब अमीरात से वापस लाया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। रियल एस्टेट एजेंट उपवन पवन जैन फर्जी पहचान का इस्तेमाल कर धोखा देने, धोखे से संपत्ति हड़पने, मूल्यवान दस्तावेजों की जालसाजी करने और आपराधिक साजिश रचने के आरोप में वांछित था। उसने एक संभावित खरीदार से 3.66 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की थी और उसके खिलाफ इंटरपोल का रेड नोटिस भी जारी किया गया था।

ईरान के बारे में गबार्ड की राय 'गलत' थी : ट्रंप

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड की पूर्व में व्यक्त की गई इस राय को गलत बताया है कि अमेरिका के विचार में ईरान परमाणु हथियार नहीं बना रहा है। शुक्रवार को अपनी 'सुपर पॉलिटिकल एक्शन कमेटी' के लिए धन जुटाने के वास्ते न्यूजर्सी पहुंचने पर ट्रंप से मार्च में कांग्रेस को दिए गए गबार्ड के बयान के बारे में पूछा गया। दरअसल गबार्ड ने तब कहा था कि अमेरिकी जासूसी एजेंसियों का मानना है कि ईरान परमाणु हथियारों पर काम नहीं कर रहा है। इस पर राष्ट्रपति ने कहा,'' तो फिर, मेरा खुफिया समुदाय गलत है। खुफिया समुदाय में किसने ऐसा कहा?'' ट्रंप को जब बताया गया कि यह बात गबार्ड ने कही थी तो उन्होंने कहा, '' उनकी राय गलत है।'' इस बीच गबार्ड ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उनकी बात को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''अमेरिका के पास खुफिया जानकारी है कि ईरान इस स्थिति में है कि वह कुछ हफ़्तों या महीनों के भीतर परमाणु हथियार बना सकता है।''

योग ही शांति की राह दिखाता है : मोदी

मैं से 'हम' का भाव ही भारत की आत्मा का सार है। जब व्यक्ति अपने हित से ऊपर उठकर समाज की सोचता है, तभी पूरी मानवता का हित होता है।

विशाखापत्तनम/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि दुनिया भर में तनाव की स्थिति से अशांति तथा अस्थिरता बढ़ रही है और ऐसे में योग ही हमें शांति का रास्ता दिखाता है।

मोदी ने यहां 11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर राष्ट्रीय योगाभ्यास कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी को शांत, संतुलित और सतत विकास की ओर अग्रसर विश्व के निर्माण की दिशा में बढना चाहिए। योग ही विश्व में टकराव की जगह सहयोग और तनाव की जगह समाधान की ओर ले जा सकता है।

प्रधानमंत्री का यह वक्तव्य रूस-यूक्रेन और ईरान-इजरायल युद्ध के चलते विभिन्न देशों में पैदा हुए टकराव को देखते हुए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से आज पूरी दुनिया किसी न किसी तनाव से गुजर रही है। कितने ही क्षेत्रों में अशांति और अस्थिरता बढ़ रही है। ऐसे में योग से हमें शांति की दिशा मिलती है। मैं विश्व समुदाय से आज के इस महत्वपूर्ण अवसर पर एक आग्रह करूंगा। आज के इस दिन से मानवता के लिए एक बार फिर नई शुरूआत होनी चाहिए। योग सिर्फ व्यक्तिगत अभ्यास न रहे, बल्कि वैश्विक साझेदारी का माध्यम बने। सभी देश, हर समाज, योग को जीवनशैली और लोकनीति का हिस्सा बनाए। हम मिलकर एक शांत, संतुलित और सतत विश्व को गति दें। योग ही विश्व को टकराव से सहयोग, और तनाव से समाधान की ओर ले जाएगा।

योग को जीवन का सार बताते हुए कहा कि ' मैं से हम' का भाव ही भारत की आत्मा का सार है। जब व्यक्ति अपने हित से ऊपर उठकर समाज की सोचता है, तभी पूरी मानवता का हित होता है।

उन्होंने कहा , भारत की संस्कृति हमें सिखाती है, सर्वे भवन्तु सुखिन, यानी सभी का कल्याण ही मेरा कर्तव्य है। 'मैं' से 'हम' की ये यात्रा ही सेवा, समर्पण और सह-अस्तित्व का आधार है। यही सोच सामाजिक समरसता को बढ़ावा देती है।

भारत की सौम्य शक्ति का शानदार उदाहरण है योग : राष्ट्रपति मुर्मू

देहरादून/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को योग को भारत की सौम्य शक्ति का एक शानदार उदाहरण बताया और कहा कि योग अब पूरी मानव जाति की साझा विरासत बन गया है।

योग दिवस के अवसर पर यहां पुलिस लाइन में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि जब से संयुक्त राष्ट्र ने 2015 में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) के रूप में मनाने के भारत के प्रस्ताव को अपनाया है, तब से दुनिया भर के अधिकतर देशों ने योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बना लिया है और इससे लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने कहा, ''यह अब पूरी मानव जाति की साझा विरासत बन गया है।''

योग की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय लोकप्रियता का उदाहरण देते हुए उन्होंने कुवैत की योग साधक शीखा शेखा अली अल-जबर अल सबा का उल्लेख किया, जिन्हें योग को बढ़ावा देने और इसके माध्यम से संस्कृतियों को एकीकृत करने के लिए भारत सरकार ने पद्मश्री से सम्मानित किया था।

राष्ट्रपति ने कहा, ''योग किसी धर्म, संप्रदाय या समुदाय से जुड़ा नहीं है। यह स्वस्थ जीवन जीने की एक कला है।''

केरल में एक सप्ताह से फंसा हुआ है ब्रिटेन का एफ-35बी लड़ाकू विमान

नई दिल्ली/भाषा। ब्रिटेन से तकनीकी विशेषज्ञों की एक टीम के अगले कुछ दिन में केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम पहुंचने की उम्मीद है, जो ब्रिटिश नौसेना के फंसे हुए एफ-35बी 'स्टेल्थ' लड़ाकू विमान की जांच करेगी। सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

लगभग 11 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक कीमत वाला और सबसे उन्नत लड़ाकू विमानों में से एक माने जाने वाला यह जेट विमान 14 जून को तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे पर आपातकालीन स्थिति में उतरा था। इस विमान की हाइड्रोलिक प्रणाली में कथित तौर पर कोई समस्या थी।

सूत्रों ने बताया कि ब्रिटेन की नौसेना के विशेषज्ञों की एक टीम विमान का निरीक्षण करने के लिए जल्द ही तिरुवनंतपुरम पहुंच सकती है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले, 'कैरियर स्ट्राइक ग्रुप' की एक रखरखाव टीम ने विमान का निरीक्षण किया था, लेकिन गड़बड़ी को ठीक नहीं कर पाई।

एयर इंडिया के खिलाफ डीजीसीए ने उठाया सख्त कदम

तीन वरिष्ठ अधिकारियों को सेवा से हटाने का आदेश

डीजीसीए ने माना है कि तीनों अधिकारियों ने बार-बार और गंभीर गलतियां की हैं।

नई दिल्ली/भाषा। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयर इंडिया के खिलाफ चालक दल के सदस्यों (क्रू मेंबरों) की ड्यूटी अनुक्रम में नियमों का जानबूझकर उल्लंघन करने पर कार्रवाई करते हुए तीन वरिष्ठ अधिकारियों को सेवा से हटाने का आदेश दिया है।

शुक्रवार को हस्ताक्षरित आदेश में डीजीसीए ने जिन तीन वरिष्ठ अधिकारियों को हटाने के निर्देश दिए हैं, उनमें डिवीजनल वाइस प्रेसिडेंट चूड़ा सिंह, ऑपरेशंस डायरेक्टोरेट में क्रू शेड्यूलिंग से जुड़ी सुश्री पिंकी मित्तल और क्रू शेड्यूलिंग-प्लानिंग की सुश्री पायल अरोड़ा शामिल हैं।

आदेश पत्र में कहा गया है कि तीनों अधिकारियों ने नियमों के खिलाफ चालक दल का संयोजन बनाने के साथ ही लाइसेंस तथा रेसेंसी नियमों का उल्लंघन किया है।

डीजीसीए ने माना है कि तीनों अधिकारियों ने इस विषय में बार-बार और गंभीर गलतियां की हैं।

आदेश पत्र में कहा गया कि लाइसेंसिंग, आराम और रीसेंसी आवश्यकताओं में चूक के बावजूद फ्लाइट क्रू को शेड्यूल और संचालित करने के संबंध में एयर इंडिया द्वारा बार-बार मनमानी और नियमों के गंभीर उल्लंघनों का खुलासा किया गया।

नोबेल शांति पुरस्कार के लिए ट्रंप के नाम की सिफारिश करेगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान सरकार ने शनिवार को कहा कि उसने हाल में भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान ''निर्णायक कूटनीतिक हस्तक्षेप'' के लिए 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम की औपचारिक रूप से सिफारिश करने का फैसला किया है। यह घोषणा 'एक्स' पर एक पोस्ट में की गई, जिसका शीर्षक था: ''पाकिस्तान सरकार 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप की सिफारिश करती है''। यह घोषणा ट्रंप द्वारा 'व्हाइट हाउस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर की मेजबानी के तीन दिन बाद की गई। पोस्ट में कहा गया है, ''पाकिस्तान सरकार ने हाल में भारत-पाकिस्तान संकट के दौरान निर्णायक कूटनीतिक हस्तक्षेप और महत्वपूर्ण नेतृत्व के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड जे ट्रंप के नाम की 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए औपचारिक रूप से सिफारिश करने का फैसला किया है।''

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया

प्रधानमंत्री ने 'सरेंडर' कर दिया!

हमें दूसरों के लिए बाज़ार बनना बंद करना होगा। अगर हम यहाँ नहीं बनाएंगे, तो दूसरों से ख़रीदते रहेंगे। वक़्त तेज़ी से बीत रहा है।

यह कड़वा सच है कि हम असेंबल करते हैं, आयात करते हैं , लेकिन निर्माण नहीं करते। चीन मुनाफ़ा कमा रहा है।

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को आरोप लगाया कि देश में विनिर्माण रिकॉर्ड निचले स्तर पर है और इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं को सिर्फ 'असेंबल' और आयात किया जा रहा है। उन्होंने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस संदर्भ में नए विचारों के बिना 'सरेंडर' (समर्पण) कर दिया है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने दिल्ली के नेहरू प्लेस में लैपटॉप और मोबाइल की एक दुकान का दौरा किया। इसका वीडियो उन्होंने यूट्यूब और एक्स पर साझा किया।

राहुल गांधी ने कहा कि मेक इन इंडिया ने फैक्ट्री क्रांति का वादा किया था, तो फिर विनिर्माण रिकॉर्ड निचले स्तर पर क्यों है, युवाओं की बेरोज़गारी ऐतिहासिक ऊँचाई पर क्यों है, और चीन से आयात दोगुने से ज़्यादा क्यों हो गए हैं? उन्होंने दावा किया, मोदी जी को नारे देने आते हैं, समाधान नहीं। 2014 से

अब तक, विनिर्माण क्षेत्र का हिस्सा हमारी अर्थव्यवस्था में सिर्फ़ 14 प्रतिशत रह गया है।

राहुल गांधी ने इस बात का उल्लेख किया, दिल्ली के नेहरू प्लेस में मैं शिवम और सैफ से मिला। दोनों ही होशियार, हुनरमंद, उम्मीदों से भरे हैं, लेकिन उन्हें अपनी क्षमता साबित करने का मौका नहीं मिला। उन्होंने कहा, यह कड़वा सच है कि हम असेंबल करते हैं, आयात करते हैं , लेकिन निर्माण नहीं करते। चीन मुनाफ़ा कमा रहा है।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि नए विचारों के बिना, मोदी जी ने सरेंडर कर दिया है, जिनकी पीएलआई योजना का इतना प्रचार हुआ। अब उसे चुपचाप वापस लिया जा रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत को एक बुनियादी बदलाव की ज़रूरत है जो लाखों उत्पादकों को ईमानदार सुधार और वित्तीय सहयोग से सशक्त करे।

कांग्रेस नेता ने कहा, हमें दूसरों के लिए बाज़ार बनना बंद करना होगा। अगर हम यहाँ नहीं बनाएंगे, तो दूसरों से ख़रीदते रहेंगे। वक़्त तेज़ी से बीत रहा है।

इजराइल ने ईरान के परमाणु अनुसंधान केन्द्र पर हमला किया, दूसरे सप्ताह भी जारी युद्ध

तेल अवीव/एपी। इजराइल की सेना ने शनिवार को कहा कि उसने बीती रात ईरान की परमाणु अनुसंधान सुविधा पर हमला किया और निशाना बनाकर किए गए हमलों में तीन वरिष्ठ ईरानी कमांडरों की मौत हो गई। दोनों देशों के बीच युद्ध दूसरे सप्ताह में प्रवेश कर गया है।

शनिवार सुबह इस्फहान में एक पर्वत के निकट इलाके से धुआं उठता दिखाई दिया, जहां एक स्थानीय अधिकारी ने कहा कि इजराइल ने दो बार परमाणु अनुसंधन सुविधा पर हमला किया।

इजराइली सेना के एक अधिकारी के अनुसार निशाने पर दो सेंट्रिफ्यूज उत्पादन स्थल थे।

ईरान के परमाणु कार्यक्रम को तहस-नहस करने के इजराइल के लक्ष्य के तहत 24 घंटे में इस्फहान में हुआ यह दूसरा हमला था।

इस्फहान प्रांत के सुरक्षा मामलों के डिप्टी गवर्नर अकबर सालेही ने पुष्टि की कि इजराइली हमलों में सुविधा को नुकसान पहुंचा है, लेकिन कोई व्यक्ति हताहत नहीं हुआ।

ईरान ने एक बार फिर इजराइल पर ड्रोन और मिसाइल दागे, लेकिन तत्काल कोई महत्वपूर्ण नुकसान की जानकारी नहीं मिली है।

इजराइल की डेविड एडोम बचाव सेवा ने शनिवार को कहा कि उत्तरी इजराइल में दो मंजिला इमारत पर एक ईरान ड्रोन गिरा, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ।

इस बीच दोनों देशों के दरमियान तनाव कम करने के उद्देश्य से स्विटजरलैंड के जेनेवा में घंटों चली कूटनीतिक वार्ता बेनतीजा रही।

यूरोपीय अधिकारियों ने भविष्य में वार्ता की आशा व्यक्त की जबकि ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने कहा कि वह आगे भी वार्ता के लिए तैयार हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इजराइल की ओर से लगातार हमले किए जाने के कारण ईरान को अमेरिका के साथ वार्ता करने में कोई रुचि नहीं है। उन्होंने पत्रकारों से कहा, यदि हमले बंद हो जाएं और हमलावर को उसके अपराधों के लिए जवाबदेह ठहराया जाए तो ईरान कूटनीतिक कदमों पर विचार करने के लिए तैयार है।

सभी भारतीय नागरिकों को निकाल रहा है भारत

तेहरान/भाषा। ईरान और इजराइल में जारी संघर्ष के बीच, भारत ईरान से अपने सभी नागरिकों को निकाल रहा है। यहां स्थित भारतीय दूतावास ने शनिवार को यह जानकारी दी। भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आपातकालीन संपर्क नंबर और एक टेलीग्राम चैनल का लिंक प्रदान किया। पोस्ट में कहा गया है कि भारतीय दूतावास ईरान से सभी भारतीय नागरिकों को निकाल रहा है। एक अन्य पोस्ट में, दूतावास ने कहा कि वह नेपाल और श्रीलंका के नागरिकों को भी निकालने का प्रयास कर रहा है। इसमें कहा गया है कि नेपाल और श्रीलंका की सरकारों के अनुरोध पर इन दोनों देशों के नागरिकों को निकालने के भी प्रयास किए जा रहे हैं। पोस्ट में नेपाल और श्रीलंका के नागरिकों के लिए दूतावास के टेलीग्राम चैनल या आपातकालीन संपर्क नंबर पर संपर्क के लिए कहा गया है।

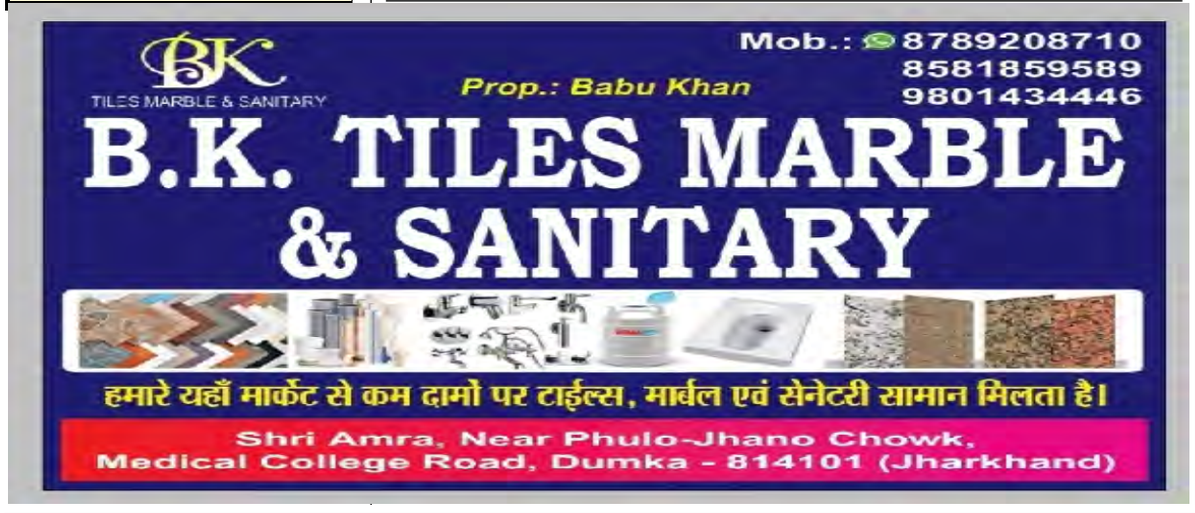

संक्षिप्त समाचार

योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करें -उपायुक्त

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर इंडोर स्टेडियम दुमका में उपायुक्त अभिजीत सिन्हा के नेतृत्व में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उपायुक्त ने सभी नागरिकों से अपील किया कि वे योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करें और इसे परिवार और समाज में भी बढ़ावा दें। योग को लेकर जनजागरूकता समय की मांग है और विज्ञान का भी यही मानना है कि इसके सतत अभ्यास से हम कई बीमारियों से बच सकते हैं। योग प्रशिक्षकों द्वारा प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम व ध्यान की विधियां कराई गई और उनके लाभों की जानकारी दी गई।इस कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक, सहायक समाहर्ता, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी सहित जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं कर्मी, स्कूली बच्चें आदि उपस्थित थे।

उप विकास आयुक्त के रूप में अनिकेत सचान ने किया पदभार ग्रहण

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जिले के उप विकास आयुक्त के रूप में अनिकेत सचान ने पदभार ग्रहण किया।समाहरणालय स्थित उप विकास आयुक्त के कार्यालय कक्ष में निवर्तमान उप विकास आयुक्त रवि जैन से नवपदस्थापित उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान ने पदभार ग्रहण किया। जिले के बहुमुखी विकास में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता होगी, ताकि लोगों तक सुगमतापूर्वक सुविधाएं पहुंच सके।पदभार ग्रहण करने के पश्चात उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान ने कहा कि वे जिले का बहुमुखी विकास करने का हरसंभव प्रयास करेंगे। जिले में विकास की सभी योजनाओं को गति प्रदान की जाएगी। इस दौरान जिला ग्रामीण विकास शाखा के सभी पदाधिकारियों, कर्मचारियों और जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ परिचय प्राप्त किया।

राम गोपाल शर्मा गुरूकुलम में मनाया गया अंतराष्ट्रीय योग दिवस

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। राम गोपाल शर्मा गुरूकुलम धधकिया - दुमका में 11वीं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया ।इस अवसर पर गुरूकुलम के योगाचार्य संतोष गोस्वामी द्वारा गुरूकुलम के सभी छात्र झ छात्राओं और सभी आचार्य एवं आचार्यों को योग के सिंघ आसान ,वृक्षासन ,भार्मरी ,भ्रस्तिका , कपाल भाँती जैसे विभिन्न आसन कराया गया । इस मौके पर गुरूकुलम के निदेशक स्वामी आत्मानंद पुरी ने सभी से कहा कि भारत ने योग को दिखाया - सिखाया और आज पूरे विश्व ने योग को अपनाया है , योग सिर्फ मन और शरीर को स्वस्थ नहीं रखता बल्कि योग पुरे समाज को सवास्थ देता है ,उन्होंने कहा कि योग ईश्वर से युक्त होने अर्थात परमात्मा से जुड़ जाने का सबसे सरल साधन है ।अगर हम निरन्तर योग करें और संतुलित आहार करें तो डॉक्टर की आवशयकता कभी नहीं पड़ेगी ।उन्होंने गुरूकुलम के बच्चों की सराहना करते हुए कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि हमारे गुरूकुलम के बच्चे प्रत्येक शनिवार को योग करते हैं, उक्त अवसर पर गुरूकुलम के सभी आचार्य एवं आचार्यागण उपस्थित थे।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विश्वविद्यालय में एन एस एस ने आयोजित किया योग कार्यक्रम

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। 11वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय परिसर में एन एस एस प्रकोष्ठ के द्वारा योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। योगाचार्य राकेश पराशर के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षक शिक्षिकाओं, एन एस एस स्वयं सेवकों सहित स्थानीय लोगों ने इस योगाभ्यास कार्यक्रम में विभिन्न आसनों का अभ्यास किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो (डॉ) कुनुल कुंदीर ने कहा कि योग का जीवन में बहुत महत्त्व है। भारतीय संस्कृति में कर्मों में कुशलता को भी योग कहा जाता है। हम शरीर को स्वस्थ रखकर ही अपने विभिन्न कार्यों को उचित रूप से कर सकते हैं। प्रतिकुलपति प्रो बिमल प्रसाद सिंह ने कहा कि योगाभ्यास शारीरिक शुद्धि, मानसिक चेतना और आध्यात्मिक जागृति का आधार है। कार्यक्रम के आरम्भ में कार्यक्रम समन्वयक डॉ धनंजय कुमार मिश्र ने योगाचार्य सहित विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रतिकुलपति, छात्र कल्याण अधिष्ठाता, वित्त सलाहकार, कुलसचिव, वित्त पदाधिकारी और परीक्षा नियंत्रक का अभिनंदन पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न देकर किया। मौके पर कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ स्नेहलता मुर्मू अपने स्वयं सेवकों के साथ उपस्थित थीं। विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, संकायाध्यक्ष, शिक्षक शिक्षिकाओं के साथ छात्र छात्राओं की उपस्थिति देखी गई। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के अन्तर्गत मेरा युवा भारत और राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में सम्पूर्ण कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में शताधिक लोगों ने योगाभ्यास किया।

राजकीय श्रावणी मेला 2025 की तैयारी को लेकर बैठक आयोजित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सर्वोपरि : अभिजीत सिन्हा

दुमकाःराजकीय श्रावणी मेला 2025 की तैयारियों को लेकर बासुकीनाथ स्थित सभागार में उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि नए रूट लाइन में श्रद्धालुओं के लिए सभी आवशयक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। पेयजल की समुचित व्यवस्था रुट लाइन में रहे।सभी आवासन केंद्रों में पर्याप्त रोशनी, पंखा, मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट सहित आवशयक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध रहे।
बैठक में बताया गया कि अब तक 150 शौचालयों का निर्माण पूरा हो चुका है। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि शेष निर्माण कार्य को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किया जाए। श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु आवासन केंद्र, शौचालय, प्रवेश-निकास मार्ग, रूट एवं स्वास्थ्य सुविधाओं से संबंधित साइनबोर्ड प्रमुख स्थलों पर लगाए जाएं।उपायुक्त ने संस्कार मंडप क्यू कॉम्प्लेक्स के कार्य को शीघ्रता से गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने का निर्देश दिया।कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए पूरे मेला क्षेत्र एवं आवासन केंद्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। साथ ही मेला क्षेत्र में ध्वनि विस्तारक यंत्र एवं एलईडी स्क्रीन की स्थापना की जाएगी, जिससे जरूरी सूचनाएं एक केंद्र से प्रसारित की जा सकें।मंदिर परिसर की विद्युत वायरिंग, एसी एवं अन्य उपकरणों की सुरक्षा जांच सुनिश्चित करने को कहा गया, जिससे किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचा जा सके।कहा कि मेला क्षेत्र, पहुँच पथ एवं पार्किंग स्थलों पर समुचित प्रकाश व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाए।शिवगंगा की साफ-सफाई, एनडीआरएफ की प्रतिनियुक्ति तथा अग्निशमन व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। मेला के दौरान छोटे गैस सिलेंडरों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। वाहन पार्किंग की समुचित व्यवस्था के साथ पर्याप्त रोशनी सुनिश्चित की जाएगी।उपायुक्त ने निर्देश दिया कि मेला क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में सफाईकर्मियों की तैनाती हो तथा जगह-जगह डस्टबिन रखे जाएं। सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें ताकि श्रावणी मेला 2025 की सभी तैयारियां निर्धारित समय पर पूर्ण हो सकें।बैठक में पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खेरवार ने बीडीओ, सीओ एवं थाना प्रभारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने एवं किसी भी कमी को समय रहते दूर करने का निर्देश दिया।बैठक से पूर्व उपायुक्त ने पूरे मेला क्षेत्र एवं रूट लाइन का निरीक्षण कर आवशयक निर्देश भी दिए। शिवगंगा की सफाई एवं उसमें जल आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए विशेष निर्देश दिए गए।बैठक में उप विकास आयुक्त,अनुमंडल पदाधिकारी,सभी विभागों के वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

राज्य में सीओ ऑफिस से लेकर सीएमओ तक भ्रष्टाचार व्याप्त है:रघुवर दास

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने हेमंत सरकार पर जमकर निशाना साधा है. उनका कहना है कि वर्तमान में इस राज्य में सीओ ऑफिस से लेकर सीएमओ तक भ्रष्टाचार व्याप्त है. सीएमओ में प्रधान सचिव रहे विनय चौबे आज होटवार जेल में हैं. ऐसा कोई विभाग नहीं है, जहां घोटाले नहीं हो रहे हैं. पेयजल विभाग हो या शराब या कोई अन्य विभाग, हर जगह भ्रष्टाचार है.ओडिशा के राज्यपाल रहे रघुवर दास ने यहां तक कह दिया कि यह सरकार हेमंत सोरेन नहीं बल्कि कोयला सिंडिकेट, बालू सिंडिकेट, शराब सिंडिकेट और जमीन सिंडिकेट मिलकर चला रहे हैं. झारखंड के जल, जंगल और जमीन का कण-कण सिंडिकेट के हाथ में है.
दास ने कहा कि जब-जब झामुमो-कांग्रेस की सरकार आई है, घोटाले सामने आने लगे हैं. भाजपा के शासनकाल में चाहे 2000 में बाबूलाल मरांडी की सरकार रही हो या उसके बाद अर्जुन मुंडा की सरकार रही हो, कहीं कोई भ्रष्टाचार नहीं हुआ. जबकि इस झामुमो-कांग्रेस शासन में पहले भी मुख्यमंत्री, मंत्री, अधिकारी जेल जा चुके हैं. वर्तमान में भी पूर्व मंत्री आलमगीर आलम कमीशनखोरी के आरोप में जेल में हैं.
सवालिया लहजे में आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि इस सरकार के पांच साल में यहां के पहाड़ों और जंगलों की क्या स्थिति है, क्या बालू घोटाला नहीं हुआ, संथाल परगना में कोयला की ढुलाई कौन करवा रहा है, नियोजन में गड़बड़ी कौन कर रहा है. यहां नियोजन में ऐसी नीतियां बनाई जा रही हैं, जिससे यह उलझ कर रह जाए. यहां ठेकेदार को योग्यता के आधार पर नहीं, बल्कि कमीशन के आधार पर काम मिल रहा है. शनिवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर उन्होंने परिसदन में ही योगाभ्यास किया.दुमका परिसदन में पत्रकारों से बातचीत में रघुवर दास ने कहा की झारखंड की वर्तमान सरकार पर काफी आक्रामक दिखे. उन्होंने कहा कि यह सरकार अक्षम और निकम्मी है. आदिवासी हो या गैर आदिवासी, किसी को भी इस सरकार से कोई उम्मीद या आकांक्षा नहीं है. सरकार सभी मोर्चों पर विफल रही है. पूरे राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब है. खासकर महिलाएं असुरक्षित हैं. उनके साथ लगातार हिंसक घटनाएं हो रही हैं. आज राज्य की जनता इस सरकार को लाने पर पछता रही है.वहीं पूर्व मुख्यमंत्री ने हेमंत सरकार से मांग की कि जल्द से जल्द राज्य में पेसा कानून लागू किया जाए ताकि गांव में स्वशासन स्थापित हो सके. उन्होंने कहा कि पेसा कानून को लागू करने के लिए पूरा मसौदा तैयार है, झारखंड सरकार इसे आगामी कैबिनेट में पारित करे.

दुमका में आम महोत्सव सह बागवानी मेला का सफल आयोजन

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जिले के जिला ग्रामीण विकास शाखा परिसर में आम महोत्सव सह बागवानी मेला का आयोजन बिरसा हरित ग्राम योजना के अंतर्गत सफलता पूर्वक किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य फलदार वृक्षों से प्राप्त उत्पादों को बाजार से जोड़ना और बागवानी गतिविधियों को ग्रामीण आजीविका से जोड़कर प्रोत्साहित करना है।
महोत्सव के दौरान किसानों को वृक्षारोपण, रखरखाव, विपणन और मूल्य संवर्धन से जुड़ी उपयोगी जानकारी दी गई। उन्हें स्थानीय व बा' बाजारों से जुड़ने के अवसरों के बारे में बताया गया, ताकि आयवृद्धि और आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त पहल हो सके।
इस अवसर पर उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान जे एस एल पी एस एवं मनरेगा के अधिकारी-कर्मचारी, विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि, सखी मंडल की दीदियाँ से मिले। बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे। उप विकास आयुक्त ने कहा कि यह आयोजन न केवल किसानों के लिए जागरूकता का सशक्त मंच बना, बल्कि स्थानीय स्तर पर फलोत्पादन और बागवानी को बढ़ावा देने की दिशा में एक प्रेरक कदम भी सिद्ध हुआ।

जिला स्तरीय एक दिवसीय क्षमतावर्धन कार्यक्रम का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल संख्या-02 दुमका, अंतर्गत प्रत्येक चार पंचायत पर एक चयनित नई मास्टर जलसहिया एवं प्रखंड वाश समन्वयक, सिनी टाटा ट्रस्ट के प्रतिनिधि का जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण फेज-टू के सभी अवयवों पर जिला स्तरीय एक दिवसीय क्षमतावर्धन कार्यक्रम का आयोजन उप विकास आयुक्त , कार्यपालक अभियंता एवं, उपाध्यक्ष, जिला परिषद के अध्यक्षता में किया गया। प्रशिक्षण में उप विकास आयुक्त के द्वारा सभी प्रतिभागियों को जल जीवन मिशन अंतर्गत बृहत ग्रामीण जिला पूर्ति योजना में जल कर राशि और जल आपूर्ति योजनाओं के रखरखाव को लेकर विस्तार पूर्वक से सभी जलसहिया को अपने-अपने गांव में पेयजल एवं स्वच्छता को लेकर सभी ग्रामीणों के साथ बैठक कर सभी जानकारी देने को दिशा निर्देश दी गई । कार्यपालक अभियंता के द्वारा सभी प्रतिभागियों को संबोधित किया गया कि स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण फेज टू के तहत सभी छूटे हुए घरों में शौचालय का निर्माण एवं अपने-अपने गांव को ओ डी एफ प्लस विलेज बनाने को लेकर विशेष रूप से चर्चा की गई। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों को उपाध्यक्ष, जिला परिषद अध्यक्ष के द्वारा की सभी जलसहिया को संबोधित करते हुए कहा गया कि आप सभी अपने-अपने गांव में पेयजल एवं स्वच्छता से संबंधित क्षेत्र में बढ़ चढ़कर कार्य करें जिससे आपका ग्राम साफ सुथरा एवं स्वच्छ दिखाई पड़े। जिला समन्वयक प्रसेंनजीत कुमार मंडल ने सभी उपस्थित मास्टर जल सहियाओ को झारजल पोर्टल पर ऑनलाइन कार्य करने को विस्तृत जानकारी दिए। प्रसेंनजीत कुमार मंडल जिला समन्वयक ने सभी जल सहियाओ को जल जीवन मिशन के सभी बिन्दुओ पर जानकारी दिए., जिला समन्वयक ब्रजेश कुमार एवं सिनी टाटा ट्रस्ट के प्रतिनिधि, कपिल कुमार के द्वारा सभी प्रतिभागियों का जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन फेज टू के सभी अवयवों पर विस्तार पूर्वक से क्षमता वर्धन किया गया। जिसमें सभी जिला समन्वयक ,सभी प्रखंड वाश समन्वयक एवं सभी नव चयनित मास्टर जलसहिया उपस्थिति थे।

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित किया भव्य कार्यक्रम

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के तत्वावधान में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सराय रोड स्थित समारोह भवन में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संगठन के प्रांतीय सचिव डॉ अमूल्य कुमार पाल, जिला अध्यक्ष डॉ करुण कुमार राय , उपाध्यक्ष डॉ सुमंगल ओझा, सचिव अनय ओझा , कोषाध्यक्ष ऋषभ कुमार गण , पर्यावरण प्रमुख स्वपन कुमार दत्ता , सदस्य खुशबु कुमारी, रंजीत वर्मा, संतोष कापरी, सहित कई गणमान्य व्यक्ति बहुतों की संख्या मे उपस्थित थे।कार्यक्रम का शुभारंभ प्रांतीय सचिव डॉ अमूल्य कुमार पाल ने दीप प्रज्वलन और योग के महत्व पर अपने विचार व्यक्त करते हुए किया। उन्होंने कहा , योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक उन्नति के लिए भी आवशयक है। यह हमारी भारतीय संस्कृति का अमूल्य उपहार है, जिसे विश्व ने अपनाया है।अध्यक्ष डॉ करुण कुमार राय ने अपने संबोधन में योग को दैनिक जीवन में अपनाने की अपील की और कहा कि अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ग्राहक जागरूकता के साथ-साथ सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।कोषाध्यक्ष ने संगठन की गतिविधियों और इस आयोजन के लिए किए गए प्रयासों की जानकारी दी , जबकि सचिव ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की और सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में योग सत्र का आयोजन किया गया , जिसमें विभिन्न आसन और प्राणायाम का अभ्यास कराया। स्थानीय नागरिकों , संगठन के कार्यकर्ताओं और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके अतिरिक्त , योग के स्वास्थ्य लाभों पर एक जागरूकता सत्र भी आयोजित किया गया , जिसमें विशेषज्ञों ने योग के वैज्ञानिक पहलुओं पर प्रकाश डाला।इस अवसर पर संगठन के अन्य कार्यकर्ताओं ने भी अपने विचार साझा किए और ग्राहक जागरूकता के साथ-साथ स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक प्रयासों पर बल दिया। कार्यक्रम का समापन शांति मंत्र के साथ हुआ। यह आयोजन न केवल योग के प्रति जागरूकता फैलाने में सफल रहा , बल्कि अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के सामाजिक दायित्वों को भी रेखांकित करता है। संगठन ने भविष्य में भी इस तरह के आयोजनों को जारी रखने का संकल्प लिया।

योग करने से तन मन दोनों स्वस्थ एवं चुस्त दुरुस्त रहता है-योग प्रशिक्षक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका।11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शनिवार को डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, दुमका (प्लस टू जिला स्कूल, दुमका) के लगभग 800 छात्र छात्राओं एवं शिक्षक शिक्षिकाओं ने शनिवार को योग प्रशिक्षक प्रभारी प्राचार्य महेन्द्र राजहंस के सानिध्य में योग किया। योग प्रशिक्षक प्रभारी प्राचार्य महेन्द्र राजहंस ने उपस्थित छात्र छात्राओं एवं शिक्षक शिक्षिकाओं को भस्त्रिका, कपालभाति, अनुलोम विलोम,भ्रामरी आदि प्राणयाम एवं ताड़ासन,वज्रासन ,शवासन,भुजंगासन,सर्वांगासन,सुखासन एवं सूर्य नमस्कार का विधिवत अभ्यास कराया एवं उनके लाभों को बताया। योग के बारे में चर्चा करते हुए प्रभारी प्राचार्य सह योग प्रशिक्षक महेन्द्र राजहंस ने कहा कि सभी लोग योग को अपने दैनिक दिनचर्या में शामिल करें। कहा कि योग करने से तन मन दोनों स्वस्थ एवं चुस्त दुरुस्त रहता है। योग करने से शरीर मे एक नई शक्ति का संचार होता है।कहा कि योग करने से कार्य क्षमता में वृद्धि होती है, जिससे राष्ट्र का उत्थान होता है। कहा कि अपनी शारिरिक क्षमता के अनुसार ही आसन एवं प्राणयाम करनी चाहिए। श्री राजहंस ने कहा कि 21 जून को ही सिर्फ योग न करे बल्कि समाज मे योग के लिए जागरूकता भी फैलाए। प्रभारी प्राचार्य श्री राजहंस ने कहा कि हमसभी सौभाग्यशाली हैं कि हमारे पूर्वज ऋषि मुनी योग पद्धति का जनक रहे हैं। आज पूरा विश्व योग को अपना कर भारतीय जीवन पद्धति को स्वीकार रहा है।मौके पर उपस्थित पूर्व प्रभारी प्राचार्य डॉ दिलीप कुमार झा ने योग पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग की महिमा को स्वीकार करते हुए यूनेस्को ने वर्ष 2016 में योग को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता दी। डॉ दिलीप ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए भारतीय योग पद्धति को अपनाना अतिआवशयक है।कहा कि योग करने से शारिरिक स्वस्थता के साथ बौद्धिक विकास भी होता है। अतः शिक्षार्थियों को सुबह सुबह योग अवशय करनी चाहिए । मौके पर उपस्थित पूर्व प्रभारी प्राचार्य डॉ दिलीप कुमार झा,पूर्व प्रभारी प्राचार्य बब्बन कुमार, इंटर संकाय प्रभारी मुदस्सर सुल्तान, परीक्षा नियंत्रक निवास रजक, शिक्षक अमित कुमार पाण्डेय, संजीव कुमार सिंह, स्नेहलता मराण्डी, राजीव कुमार गुप्ता, रूपेश कुमार झा, संजय कुमार सिन्हा, प्रदीप कुमार,रामप्रसाद यादव, पार्थ प्रतिम कुंडू,लक्खी टुडू, अर्चना कुमारी,विद्यासुन्दर नन्दी, शिवराम सिमोन टुडू, प्रकाश कुमार घोष, सुशीला किस्कू, अनन्या बनर्जी, दिलीप कुमार, अंजू एलिना किस्कू, राजेश कुमार साह,पवन कुमार, अशोक कुमार,आरिफ इकबाल,सपना हेम्ब्रम,हीरा लाल बेसरा,माधवी लता, प्रिया हेम्ब्रम एवं रिशू स्मिता टुडू के अलावे विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योग का अभ्यास कर जीवन मे स्वंय योग को अपना कर समाज को भी योग को अपनाने के लिए जागरूक करने का शपथ लिया।

दिल्ली पब्लिक स्कूल और डीएवी, पॉलिटेक्निक कॉलेज में में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

पाकुड़। डीपीएस में 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 बहुत ही उत्साह पूर्वक मनाया गया। वैश्विक उत्सव के 11वीं वर्षगांठ पर ₹एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग₹ विषय के तहत, इस वर्ष का आयोजन समग्र कल्याण और पर्यावरण सद्भाव को बढ़ावा देने में योग की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालता है। इस विषय को परिपूर्ण करने और बच्चों को योग के महत्व के प्रति जागृत करने के उद्देश्य से विद्यालय में योग से संबंधित कई तरह की गतिविधियों का आयोजन किए गए। कक्षा नर्सरी से लेकर के 12वीं तक की कक्षाओं में योग के साथ ही साथ योग से संबंधित प्रश्नावली, निबंध प्रतियोगिता तथा चित्र प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यालय में आयोजित योग शिविर में सभी शिक्षक गण और विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस दौरान शारीरिक प्रशिक्षक प्रवीण सोरेन की दे-खरेख में बच्चों तथा शिक्षकों को सर्वप्रथम योग शपथ दिलवाई गई। इसके उपरांत विभिन्न तरह के प्राणायाम एवम आसन किये गए।कार्यक्रम में बच्चों ने योग के साथ-साथ बहुत ही आकर्षक मानव पिरामिड भी प्रस्तुत किया। विद्यालय के निदेशक अरुणेंद्र कुमार ने सभी को योग दिवस की बधाई दी और अपने अनुभव से बताया कि योग एक परिवर्तनकारी अभ्यास है, जो मन और शरीर के मध्य सामंजस्य, विचार और क्रिया के बीच संतुलन, संयम और पूर्ति का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने बताया कि स्वस्थ और अनुशासित व्यक्ति ही स्वस्थ पर्यावरण और समाज का निर्माण कर सकता है। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री जे.के शर्मा जी ने योग के महत्व को समझते हुए बताया कि 'योगः कर्मसु कौशलम्': यानी, कर्मों की कुशलता ही योग है आज के तनाव भरे वातावरण में योग ही एकमात्र ऐसा साधन है जो हमें शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक शांति प्रदान करता है। वही डीएवी पब्लिक स्कूल के प्रांगण में शनिवार को 11वीं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस आयोजन में विद्यालय के सभी छात्र गण, प्राचार्य, शिक्षक गण एवं समस्त कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से योगासन किया। विद्यालय के योग शिक्षक ने सभी को योग का प्रशिक्षण देते हुए विभिन्न प्रकार के आसनों से अवगत कराया। प्राचार्य डॉ विश्वदीप चक्रवर्ती ने छात्र छात्राओं को योग का महत्व को बताते हुए प्रतिदिन सुबह कम से कम 15 मिनट तक योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि योग जीवन को निरोगी बनाता है। वहीं पॉलिटेक्निक कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह और ऊर्जा के साथ शनिवार को मनाया गया। इस अवसर पर कॉलेज परिसर में योग अभ्यास के माध्यम से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया, जिससे स्वस्थ जीवनशैली को लेकर संस्थान की प्रतिबद्धता और सशक्त हुई। संस्थान के प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी निखिल चंद्र ने कहा कि योग भारत की प्राचीन सांस्कृतिक धरोहर है, जिसकी परंपरा हजारों वर्षों पुरानी है। दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की गई। योग प्रशिक्षक अशोक साहा के मार्गदर्शन में सभी प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन और श्वास नियंत्रण अभ्यास किए।

संक्षिप्त समाचार

39 योग प्रशिक्षकों में से 22 पुरुष एवं 17 महिला को मिला नियुक्ति पत्र

- **उपायुक्त व उप विकास आयुक्त ने संयुक्त रूप से योग जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना**
- **आज जिला मुख्यालय सहित सभी प्रखंडों एवं पंचायतों में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस**

पाकुड़/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। धरती आबा अभियान के तहत योग के प्रति जनजागरूकता प्रसार के लिए योग जागरुकता रथ को उपायुक्त व उप विकास आयुक्त, परियोजना निदेशक, आईटीडीए, अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि 'योग एक, पृथ्वी एक' स्वास्थ्य के प्रेरणादायी संदेश के साथ यह रथ सभी विकासखंडों में जाकर योग के प्रति जनजागरूकता प्रसार के साथ ही लोगों को योग को अपने दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित करेगा। इससे पूर्व उपायुक्त व उप विकास आयुक्त सहित अन्य पदाधिकारियों के द्वारा निर्वाचन वाटिका में पौधारोपण किया गया।

बाजार समिति की आय बढ़ाने एवं आमजनों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने के लिए उपायुक्त ने बुलाया बैठक

पाकुड़/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता मे कृषि उत्पादन बाजार समिति मे लगने वाले सप्ताहिक हाट की बंदोबस्ती और मुख्य बाजार प्रांगण में अवस्थित गोदामों को भाड़े मे लगाए जाने को लेकर बैठक की। बैठक में उपायुक्त के द्वारा नियमानुसार अग्रेतर कार्रवाई हेतु पदाधिकारियों को निर्देशित किया। कृषि उत्पादन बाजार समिति कि आय को बढ़ाने और आमजनों को बेहतर बाजार दिलाने हेतु आवशयक दिशा-निर्देश दिया गया। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिषद एवं कृषि उत्पादन बाजार समिति के सचिव संजय कच्छप मौजूद रहे।

डीसी ने पाकुड़ प्रखंड स्थित शहरकोल पंचायत में धरती आबा जन भागीदारी अभियान के तहत लगाए गए शिविर का किया निरीक्षण

- **उपायुक्त ने ऑन द स्पॉट लाभुक को पेंशन स्वीकृत किया**
- **उपायुक्त ने मनरेगा के तहत लाभुक के बीच जांब कार्ड का किया वितरण**

पाकुड़/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जनजातिय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा धरती आबा जन भागीदारी अभियान के तहत आज दूसरे दिन उपायुक्त मनीष कुमार ने पाकुड़ प्रखंड अंतर्गत शहरकोल पंचायत में धरती आबा जन भागीदारी अभियान के तहत लगाए गए शिविर का निरीक्षण किया। उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि धरती आबा जन भागीदारी अभियान के तहत आदिम जनजाति परिवारों को सरकार की लाभकारी योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। उपायुक्त ने बताया कि इस पहल का उद्देशय सुरक्षित आवास, स्वच्छ पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, बेहतर पहुंच के साथ-साथ बेहतर सड़क और दूरसंचार संपर्क और स्थायी आजीविका के अवसर जैसी आवशयक सुविधाएं प्रदान करना है।उन्होंने कहा कि आदिम जनजाति परिवारों के लिए यह अच्छा अवसर है कि पदाधिकारी उनके गांव- पंचायत पहुंचकर योजनाओं से लाभान्वित कर रहे हैं। उन्होंने सभी से योजनाओं का लाभ लेने की अपील की है। इसके पश्चात उपायुक्त ने पौधारोपण किया।

गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा

पाकुड़/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। अमड़ापाड़ा थाना में दर्ज कांड संख्या 23/21 के फरार चल रहे नामजद अभियुक्त मांझी मरांडी को गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना में दर्ज कांड संख्या 23/21 में कुल 59 लोगों पर बोहड़ा गांव में एक युवक की हत्या की झूठी खबर से गांव के ग्रामीण, पुलिस को गुमराह करने एवं झूठा हत्या के आरोप में एक परिवार के घर को लूट कर परिवार की युवती के लज्जा भंग करने का मामला दर्ज है। मामले में नामजद अभियुक्त महेशपुर थाना क्षेत्र के कालीदाहा गांव निवासी मांझी मरांडी को अमड़ापाड़ा थाना की पुलिस की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर गांव से गिरफ्तार कर शनिवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उक्त मामले में गांव के ग्रामीण सहित के कुल 59 नामजद अभियुक्त पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। गिरफ्तारी टीम में पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी अनूप रोशन भेंगरा, एसआई गब्रियल आइन सहित अन्य पुलिस बल मौजूद थे।

शिविर में आप सभी अपना भाग्यदारी सुनिश्चित करें

पाकुड़/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। उपायुक्त ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के सभी भीएलई के साथ की बैठक। बैठक में उपायुक्त मनीष कुमार ने भीएलई को बताया कि धरती आबा जनभागीदारी अभियान के तहत 16 जून से 30 तारीख तक पंचायतों में शिविर का आयोजन किया जा रहा हैं। शिविर में आप सभी अपना भाग्यदारी सुनिश्चित करें। शिविर में जैसे आधार कार्ड बनाना, आयुष्मान कार्ड बनाना, जाति, आय प्रमाण पत्र आदि बनायें जाते है उसमें आप सभी सहयोग करेंगे। उपायुक्त ने बताया कि वीसी के माध्यम से अबुआ संवाद किया जाएगा। जिसमें पंचायत के कर्मियों से जुड़ने के लिए आप सभी को बेहतर बनना बहुत जरूरी है ताकि हम ग्रामीण जनता से संवाद कर सके। जनता दरबार का आयोजन भी ऑनलाइन किया जाएगा ताकि दूर दराज से आनेवाले ग्रामीणों का समय एवं पैसा की बर्बाद न हो। सभी भीएलई को निर्देश दिया गया कि अपने- अपने गांव या पंचायत के कम से कम पांच बच्चों को कंप्यूटर का ज्ञान जरूर दें। उपायुक्त ने सभी भीएलई को बताया कि सभी पीडीएस डीलर के द्वारा 2 महीने का अनाज एक साथ दिया जा रहा है। सभी ग्रामीणों को जागरूक करते हुए बताएं ताकि कोई डीलर 2 महीने का अंगूठा लगवाकर और एक ही महीना का राशन न दे। साथ ही सभी सेविका दीदी को मोबाइल चलाने के बारे में जानकारी अवशय दें। स्वास्थ्य विभाग द्वारा इंटीग्रेटेड एक्टिव केस सर्च अभियान पूरे जिले में चलाये जा रहें हैं, स्वास्थ्य विभाग की टीम घर घर जाकर स्वास्थ्य जांच कर रही है। आप सभी स्वास्थ्य टीम का सहयोग करेंगे। उपायुक्त ने कहा कि प्रोजेक्ट प्राकृति के तहत जिले में एक लाख पौधे लगाने का लक्ष्य है। आप सभी भीएलई दो पेड़ जरूर लगाएं, एक पेड़ मां के नाम, दूसरा पेड़ बेटी के नाम से लगाने का निर्देश दिया।

जिले भर में मनाया गया विश्व योग दिवस, स्वस्थ जीवन और सकारात्मक सोच की ओर एक प्रयास योग के साथ

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

पाकुड़। डीसी व डीडीसी एवं परियोजना निदेशक, आईटीडीए, अपर समाहर्ता एवं अनुमंडल पदाधिकारी समेत जिले के अन्य पदाधिकारी ने बाजार समिति में योग किया. योग प्रशिक्षक संजय कुमार शुक्ला ने योगाभ्यास करवाया. धरती आबा जनभागीदारी अभियान के तत्वावधान में प्रोजेक्ट जागृति- बेहतर स्वास्थ्य की ओर एक कदम के तहत 11 वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन कृषि उत्पादन बाजार समिति में किया गया। उपायुक्त मनीष कुमार ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर समस्त जिलावासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रतिदिन योग को अपने दिनचर्या में शामिल करते हुए स्वस्थ शरीर हेतु योग करना आवशयक है। इस बार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थिम ₹एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग है₹ उन्होंने कहा कि शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए योग काफी महत्वपूर्ण है, इसे सभी को करनी चाहिए। डीसी ने कहा कि नियमित योग करने से विभिन्न रोगों से मुक्ति मिलती है। योग तन और मन के विकारों को दूर करता है। योग करने से जहां शरीर में स्फूर्ती आती है, वहीं हमारा अंदरूनी तंत्र भी मजबूत होता है और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। आज की भाग- दौड़ भरी जिंदगी में कुछ क्षण योग के लिए जरूर निकाले। इस अवसर पर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी, भूमि सुधार उप समाहर्ता, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला शिक्षा पदाधिकारी, मुख्यालय डीएसपी, जिला क्रीड़ा पदाधिकारी समेत अन्य पदाधिकारियों एवं अन्य विद्यालय के बच्चों ने योग किया। वही अमड़ापाड़ा प्रखंड मुख्यालय में विश्व योग दिवस के अवसर पर बीडीओ प्रमोद कुमार गुप्ता, सीओ औसा×फ अहमद खां, अमड़ापाड़ा संताली पंचायत के मुखिया गयालाल देहरी, सचिव शशांक शेखर पांडेय एवं हाई स्कूल बच्चे-बच्चियों ने प्रखंड कार्यालय परिसर में किया योग। बीडीओ ने कहा कि योग शरीर स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है। इसलिए योग करना हमलोगों के लिए जरूरी है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर अदाणी पावर प्लांट और अदाणी फाउंडेशन ने मिलकर किया भव्य आयोजन

- **200 से अधिक अधिकारी-कर्मचारियों ने परिवार सहित लिया हिस्सा**
- **12 सरकारी स्कूलों में 1,200 से अधिक छात्र हुए शामिल**

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गोड्डा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अदाणी पावर (झारखंड) लिमिटेड, गोड्डा के प्लांट परिसर में शनिवार को एक भव्य योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 200 से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपने परिवारजनों सहित उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह आयोजन शांतिविहार कॉलोनी स्थित ऑफिसर्स क्लब परिसर में सुबह 7.00 से 8.00 बजे तक संपन्न हुआ, जिसमें देव संस्कृति विश्वविद्यालय से प्रशिक्षित योग प्रशिक्षक अनंत कुमार और प्रियांशी कुमारी ने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान की क्रियाएं कराईं। योगाभ्यास के उपरांत अदाणी पावर प्लांट के स्टेशन हेड प्रसून कुमार चक्रवर्ती ने योग गुरुओं को स्मृतिचिन्ह भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ''योग केवल शारीरिक नहीं, मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन का भी माध्यम है। यह पहल कर्मचारियों के स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय कदम है।'' इसी क्रम में अदाणी फाउंडेशन ने पावर प्लांट के निकटवर्ती 12 सरकारी स्कूलों, 2 आंगनवाड़ी केंद्रों और 2 अदाणी ट्रेनिंग सिलाई केंद्रों में भी योग दिवस का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देशय था बच्चों, अभिभावकों और समुदाय के बीच योग के महत्व को बढ़ावा देना। इन कार्यक्रमों में 1,200 से अधिक छात्र, 100 शिक्षक एवं स्टाफ, 100 से अधिक ग्रामीण समुदाय के सदस्य और स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। छात्र-छात्राओं ने सूर्य नमस्कार, अनुलोम-विलोम, बटरफ्लाई जैसे योगासनों और गहरी श्वास क्रियाओं के माध्यम से योग का अभ्यास किया। प्रशिक्षित शिक्षकों ने इन गतिविधियों का संचालन किया।

व्यवहार न्यायालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

पाकुड़। झालसा रांची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ शेष नाथ सिंह की अध्यक्षता में पाकुड़ व्यवहार न्यायालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष डालसा शेष नाथ सिंह ने कहा कि नियमित योग करने से हम अवसाद से बच सकेंगे मन और शरीर प्रसन्न एवं स्वास्थ्य रहेगा। एक बेहतर जीवन के लिए स्वास्थ्य और निरोग रहने के लिए योग करने के लिए समय निकाले साथ ही कहा कि अंतराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम जिले के सभी लीगल एड क्लीनिक में मनाया जा रहा है। जिसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के पीएलवी अपने संबंधित लीगल एड क्लीनिक में उपस्थित हो कर अंतराष्ट्रीय योग दिवस को मनाएंगे। योग दिवस कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय सुधांशु कुमार शशि, अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम कुमार क्रांति प्रसाद, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी संजीत कुमार चंद्रा, डालसा सचिव रूपा बंदना किरो, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी विशाल मांझी,प्रभारी न्यायाधीश विजय कुमार दास, लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम एवं मे-डिएटर अधिवक्ता, न्यायालय कर्मी पारा लीगल वॉलिंटियर्स ने अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर भगा लेते हुए योगाभ्यास किया और नियमित योग अपनाने का संकल्प लिया।इस मौके पर कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु ट्रेनर द्वारा स्वास्थ्य और निरोग रखने को लेकर कई प्रकार के योगासन कराया गया।

डीएमएफटी की प्रबंधकीय समिति की हुई बैठक

पाकुड़/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) की प्रबंधकीय समिति की बैठक का आयोजन समाहरणालय में किया गया। बैठक में जिला के सभी माध्यमिक/उच्च/+2 विद्यालयों में कुल 7593 बेंच-डेस्क की सुविधा हेत प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई। प्रबंधकीय / शासी परिषद की बैठक में सैद्धांतिक सहमति की प्रत्याशा में प्रदत्त घटनोत्तर स्वीकृति पर सहमति दी गई। विगत शासी परिषद में सैद्धांतिक स्वीकृति प्राप्त योजनाओं में तकनीकी कारणों से कार्यान्वयन नहीं होने के फलस्वरूप रद्द करने संबंधी योजना पर सहमति दी गई।

धरती आबा जनजातीय अभियान के तहत जेल मे सैकड़ो कैदियों ने किया योग, अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

पाकुड़/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। धरती आबा जनजातीय अभियान के तहत एवं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पाकुड़ कारागार में योग सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें करीब 200 कैदियों और जेल स्टाफ ने सक्रिय भागीदारी की। यह पहली बार है जब जेल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भी मनाया गया। कार्यक्रम में योग प्रशिक्षक के द्वारा कैदियों को ध्यान, प्राणायाम और योग की विभिन्न विधियों का प्रशिक्षण दिया। इन तकनीकों से मानसिक शांति, भावनात्मक संतुलन, तनाव प्रबंधन और बेहतर नींद जैसे अनेक लाभ मिलते हैं। उपायुक्त मनीष कुमार ने बताया कि ''योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाना जरूरी है। जेल प्रशासन आने वाले समय में जेल में भी नियमित योग, प्राणायाम और शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योगमय हुआ पाकुड़

- **योग संगम-एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए'' जेएसएलपीएस पदाधिकारी, कर्मी एवं सखी दीदियों ने किया योग**

पाकुड़/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पाकुड़ जिले के सखी मंडल की दीदियों और पलाश जेएसएलपीएस के सभी कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर सभी ने प्रातः सामूहिक रूप से योगाभ्यास कर यह संदेश दिया कि योग केवल एक कार्य नहीं, बल्कि एक जीवनशैली का अभिन्न अंग है। योग के माध्यम से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य प्राप्त होता है, बल्कि मानसिक शांति भी मिलती है। इस आयोजन में सभी प्रतिभागियों ने नियमित रूप से योग करने का संकल्प लिया एवं एक स्वस्थ एवं नशामुक्त समाज के निर्माण हेतु प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने यह भी संकल्प लिया कि वे योग को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करेंगे और नशा जैसी बुराइयों से दूर रहेंगे। यह आयोजन स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल रही।

योग से मिलने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी गई

पाकुड़/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवाकार्य निदेशालय झारखंड राँची के तत्वाधान में पाकुड़ जिला अंतर्गत मादक पदार्थ दुरुपयोग जागरूकता अभियान 10 से 26 जून, 2025 तक किया जा रहा है। इसी के अंतर्गत जिला खेल विभाग के द्वारा 21 जुन 2025 को विश्व योग दिवस अवसर पर योग के माध्यम से मादक पदार्थ दुरुपयोग जागरूकता अभियान का आयोजन जिला स्तरीय (बैंक कॉलोनी) स्टेडियम, पाकुड़ में किया गया। जिला क्रीड़ा पदाधिकारी, पाकुड़ राहुल कुमार के द्वारा योग से मिलने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी गई। योगा एक प्राचीन भारतीय व्यायाम और ध्यान की विधि है जो शारीरिक, मानसिक और आत्मिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करती है। योगा में विभिन्न आसन, प्राणायाम और ध्यान की तकनीकें शामिल होती हैं जो तनाव कम करने, लचीलापन बढ़ाने, संतुलन और एकाग्रता में सुधार करने में मदद करती हैं। मौके पर प्रशिक्षण केन्द्र यथा- डे-बोर्डिंग, खेलों इंडिया, जिला खेल अकादमी के सभी प्रशिक्षकों के साथ आम जनमानस ने इस आयोजन में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला खेल समन्वयक विवेक रजक जिला ओलंपिक संघ के सचिव रणवीर सिंह प्रशिक्षक अंकिता रॉय, अक्षय बाउरी, सुश्री प्रोन्नति रानी, ठक्कर कोच जगबंधु दास,शयामल सोरेन, ,नारायण चंद्र रॉय, मनीष कुमार,राम मोहन सैनी, सुमन भारती का योगदान सराहनीय रहा।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास पहुंचे पाकुड़

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

पहाड़िया बहुल क्षेत्र झारखंड में पैसा कानून लागू होना अति आवशयक

पाकुड़। ट्राइबल रोलर इन यूथ ऑर्गेनाइजेशन (तिरयो) के बैनर तले सिद्धू कान्हू आदिवासी ओवर रकाब संगठन के द्वारा शनिवार को प्रखंड के जामजोडी पंचायत के सिमलजोड़ी गांव के फुटबॉल मैदान में जन चौपाल का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास उपस्थित थे. उन्होंने जन चौपाल के माध्यम से आदिम जनजाति पहाड़ियां एवं आदिवासी महिला पुरुषों से सीधा संवाद कर राज्य में पेसा कानून लागू करने की मांग सरकार से करने की बात कही. उन्होंने कहा आदिवासी पहाड़िया बहुल क्षेत्र झारखंड में पैसा कानून लागू होना अति आवशयक है. इस क्षेत्र का विकास सिर्फ ग्राम सभा के माध्यम से ही संभव है. और ग्राम सभा को सशक्त बनाने के लिए राज्य में पैसा कानून लागू करना अति महत्वपूर्ण है. उन्होंने मौजूदा हेमंत सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा अगर पेसा कानून लागू नहीं होता, तो आदिवासी अस्तित्व भी खतरे में पड़ जाएगा. एक आदिवासी मुख्यमंत्री होकर भी अगर सरकार पेसा कानून लागू करने से भाग रही है, तो उसे आदिवासियों का हितैषी कहने का कोई हक नहीं. उन्होंने याद दिलाया कि 2018 में उनके कार्यकाल के दौरान ही पेसा कानून लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई थी, लेकिन 2019 के चुनाव के बाद जनादेश नहीं मिलने से उस पर विराम लग गया. उन्होंने दोहराया कि अब समय है, जब आदिवासी समाज को खुद जागकर अपने हक के लिए आवाज़ बुलंद करनी होगी.

- **उन्होंने कहा यह सरकार सिर्फ अपनी मतपेटी भरती है, और आपको मौत की पेटी में छोड़ देती है. आने वाले समय में सोच-समझकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें.**

उन्होंने क्षेत्र में जल संकट पर चिंता जताते हुए रघुवर दास ने कहा कि झारखंड का एकमात्र विधानसभा क्षेत्र लिट्टीपाड़ा है,जहां 2017 में 217 करोड़ रुपये की जलापूर्ति योजना स्वीकृत की गई थी, ताकि हमारी बहनों को तीन-चार किलोमीटर दूर से पानी ना लाना पड़े. लेकिन आज तक वह योजना अधूरी है. यह सरकार सिर्फ योजनाओं को ठप करने का काम करती है, ना कि जनहित में उन्हें पूरा करने का. रघुवर दास के इस जन चौपाल में शामिल आदिवासी समुदाय के चेहरे पर उम्मीद की झलक दिखी. उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि अब समय है एकजुट होकर अपने अधिकार की लड़ाई लड़ने का, क्योंकि यदि आप नहीं जागेंगे, तो आने वाली पीढ़ियां आपसे सवाल करेंगी. भाजपा नेता साहेब हांसदा, मिसफीका, जिला अध्यक्ष अमृत पांडेय सहित दर्जनों गांव के ग्राम प्रधान व संस्था के सदस्य उपस्थित थे.

बालकों के संरक्षण से संबंधित विभिन्न अधिनियमों पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

सभी बाल कल्याण पुलिस पदाधिकारी बालकों के प्रति करें मित्रवत व्यवहार - डीएसपी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जिला बाल संरक्षण इकाई दुमका एवं प्रवाह संस्था के संयुक्त तत्वाधान में जिला बाल संरक्षण इकाई के सभागार में लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012, किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015, मानव तस्करी विषयों एवं विभिन्न अधिनियमों पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यशाला का शुभारंभ विशेष किशोर पुलिस पदाधिकारी सह पुलिस उपाधीक्षक (मु०) इकुड डुंगडुंग, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी प्रकाश चन्द्र, किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य धर्मेन्द्र नारायण प्रसाद एवं बाल कल्याण समिति के निवर्तमान सदस्य डॉ रंजन कुमार सिन्हा ने विधिवत संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। विशेष किशोर पुलिस पदाधिकारी सह पुलिस उपाधीक्षक (मु०) इकुड डुंगडुंग ने अपने वक्तव्य में कहा कि किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 की धारा 106 में उल्लिखित है कि प्रत्येक थाने में बाल कल्याण पुलिस पदाधिकारी (सीडब्ल्यूपीओ) होंगे और बच्चों से संबंधित प्राप्त मामले का निष्पादन एवं समस्त कार्यवाही सीडब्ल्यूपीओ ही करेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि जिले के समस्त पुलिस पदाधिकारी बच्चों के साथ थानों में मित्रवत व्यवहार करें जिससे कि बच्चे निर्भिक होकर अपनी बातों और भावनाओं को सरलतापूर्वक व्यक्त कर सके। जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी प्रकाश चन्द्र ने अपने वक्तव्य में कहा कि थाने में बच्चों से संबंधित किसी भी प्रकार की सहायता की आवश्यकता होती हो तो अविलंब उसे जिला बाल संरक्षण इकाई या चाइल्ड हेल्पलाइन से साझा किया जाए, जिससे कि सामूहिक प्रयास से बाल हित में उचित निर्णय लिया जा सके। किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य धर्मेन्द्र नारायण प्रसाद ने अपने वक्तव्य में कहा कि किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 की धारा एवं आदर्श नियम का अनुपालन करते हुए बालकों/किशोरों का उपस्थापन नियमानुकूल समिति/बोर्ड के समक्ष करेंगे। सामान्यतः देखा जाता है कि पुलिस पदाधिकारियों द्वारा बालकों/किशोरों को समिति/बोर्ड के समक्ष उपस्थापन के दौरान पुलिस वर्दी में किया जाता है जो कि नियमानुकूल नहीं है। साथ ही उन्होंने कहा कि सामाजिक पृष्ठभूमि रिपोर्ट (एसबीआर) स्थानीय जांच कर निष्पक्ष एवं सत्यता के साथ बोर्ड को समर्पित करें। बाल कल्याण समिति के निवर्तमान सदस्य डॉ रंजन कुमार सिन्हा ने अपने वक्तव्य में कहा कि प्राप्त पॉक्सो मामले के पॉक्सो पीड़िता को बाल कल्याण समिति के समक्ष उपस्थापित करने से पूर्व अधिनियम के तहत नियमानुकूल फॉर्म बी आवश्यक रूप से पूर्ण कर समिति को समर्पित करें। समिति तीन कार्य दिवस के अंदर निर्णय लेकर संबंधित थाने को सूचित करेगी कि पीड़िता का उपस्थापन समिति के समक्ष आवश्यक है या नहीं। प्रवाह के परियोजना समन्वयक सह रिसोर्स पर्सन प्रेम कुमार ने मानव तस्करी एवं बालकों से संबंधित विभिन्न वैधानिक प्रावधानों व अधिनियमों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। उक्त कार्यशाला में डीसीपीयू से एलपीओ अनिल मोहन ठाकुर, पूनम कुमारी, प्रमिला टुडू, मुबारक अंसारी, चाइल्ड हेल्पलाइन के परियोजना समन्वयक मो० शमीम अंसारी, रेलवे चाइल्ड हेल्पडेस्क, संप्रेक्षण गृह के तमाम पदाधिकारी व कर्मीगण, प्रवाह संस्था से मार्था हांसदा, सुशीला मुर्मू, विमोली हेंब्रम, करण मुर्मू, ग्राम ज्योति से मुकेश कुमार दुबे, सनातन मुर्मू, एवं समस्त थानों के बाल कल्याण पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर व्यवहार न्यायालय में करवाया गया योगाभ्यास

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार को व्यवहार न्यायालय परिसर में योग कार्यक्रम का आयोजन हुआ। योगाभ्यास नालसा, दिल्ली व झालसा, रांची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका के प्रभारी अध्यक्ष सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश शत्रुंजय कुमार सिंह के नेतृत्व में किया गया। इस न्याय मंडल के सभी न्यायाधीश समेत न्यायालय कर्मियों ने निर्धारित समय पर योगाभ्यास किया। उक्त अवसर पर प्राधिकार के अध्यक्ष द्वारा बताया गया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है तथा सभी लोगों को एक स्वस्थ जीवन शैली के लिए प्रोत्साहित करना है जिससे लोग शारीरिक एवं विशेष कर मानसिक रूप से स्वस्थ रह सके उन्होंने सभी न्यायालय कर्मियों से कहा कि वह प्रतिदिन कुछ समय निकालकर निश्चित रूप से योगाभ्यास करें इससे आपकी कार्यशैली में भी गुणात्मक प्रभाव पड़ेगा। योगाचार्य, राकेश पराशर ने न्यायाधीशों तथा न्यायालय कर्मियों को विभिन्न योग कराया। योग के विभिन्न आयाम में कपालभाति, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, सिरसासन, ताड़ासन, त्रिकोणासन, सूर्य नमस्कार, अर्ध चक्रासन जैसे कई योगासन करवाया गया एवं योग से होने वाले लाभों के बारे में बताया गया। कार्यक्रम की समाप्ति ओमजाप से संपन्न हुई। इधर प्राधिकार के सचिव उत्तम सागर राणा के निर्देशानुसार जिले के विभिन्न प्रखंड, पंचायत समेत विभिन्न संस्थाओं में प्रतिनियुक्त पैरा लीगल वालंटियर द्वारा सुदूर ग्रामीणों को योगाभ्यास के साथ योग के फायदे और विधिक जानकारी देते हुए जागरूक किया गया।

नियमित योग करने वाले लोगों में कई तरह की बीमारियों से बचाव होता है-सोना शर्मा

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर ठाकुरवाडी में भारत विकास परिषद दुमका इकाई के पदाधिकारी एवं सदस्यों द्वारा योग अभ्यास किया गया। इस योगाभ्यास का संचालन योगाचार्य सत्यम योग सह सदस्य भारत विकास परिषद सोना शर्मा ने किया। जिसका साथ सखी शर्मा दे रही थी। आज का दिन योग दिवस के रूप में मनाया जाता रहा है। ताकि विश्व में योग को प्रसारित किया जा सके और लोगों को प्रेरित किया जा सके ताकि वह अपना स्वास्थ्य धन को संयोजित रख सके और जो लोग योग के प्रति जागरूक नहीं है उन्हें आज योग में शामिल कर योग के महत्व को बतलाया जा सके। नियमित योग करने वाले लोगों में कई तरह की बीमारियों से बचाव किया जा सकता है ।वर्तमान समय में अनियमित खानपान के कारण लोग कई तरह के छोटी बड़ी समस्याओं से ग्रसित हो जाते हैं। इसे नियमित व्यायाम और योग के माध्यम से दूर किया जा सकता है जिसकी जानकारी अपने सहयोगियों आस पड़ोस के लोग तक पहुंचना आवश्यक है। क्योंकि जीने के लिए पेट और पड़ोस दोनों का सही होना अति आवश्यक है ।इस अवसर पर भारत विकास परिषद के संरक्षक अनुज आर्य , क्षेत्रीय पदाधिकारी भारती शर्मा, संस्कार एवं प्रांतीय पदाधिकारी मधुर कुमार सिंह, सेवा अध्यक्ष भारत विकास परिषद जितेंद्र कुमार शाह , कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार , वरिष्ठ सदस्य संगीता अग्रवाल , सरोज शाह , किशोर शाह , राजकुमारी गुप्ता एवं योगाचार्य सोना शर्मा की उपस्थिति के बीच कार्यक्रम को संपन्न किया गया।

जमीन विवाद को लेकर बड़े भाई ने की छोटे भाई की हत्या

निरसा/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। निरसा क्षेत्र के गंगापुर गांव में जमीन और दुकान विवाद को लेकर शनिवार की सुबह बड़े भाई ने अपने छोटे सहोदर भाई की बेरहमी से हत्या कर दी है। हालांकि घटना मुर्गा दुकान को लेकर मामूली विवाद से शुरू हुई देखते ही देखते हत्या में तब्दील हो गई। बड़े भाई ने छोटे के सिर पर लोहे के रॉड से हमला कर घटना को अंजाम दिया। घटना में छोटे भाई की जान चली गई। घटना के बाद से बड़ा भाई फरार है। छोटे भाई की पत्नी ने हत्या का मामला दर्ज कराई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त रॉड को भी बरामद कर लिया है। मृतक की पत्नी ने अपने जेठ पर पति की हत्या का आरोप लगाते हुए एमपीएल ओपी में केस दर्ज कराई है। पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन कर रही है। बताया जाता है कि छोटा भाई प्रशांत एमपीएल में काम करता था। खाली समय में वह मुर्गा की दुकान चलाया करता था। जबकि उसका बड़ा भाई हरमन एमपीएल में विस्थापित कर्मचारी है। वह मुर्गा दुकान खोलने का विरोध कर रहा था। उसका कहना था कि जिस जमीन पर दुकान खोली गई है, वह उसकी है। इसलिए दुकान बंद कर दो। इसी बात को लेकर दोनों भाइयों में नोकझोंक शुरू हो गई। देखते ही देखते मारपीट हो गई। इस दौरान बड़े भाई ने छोटे भाई को रॉड से मारकर हत्या कर दी और फरार हो गया। मृतक को एक पुत्र एवं एक पुत्री है। एसडीपीओ रजत मणिक बाखला ने बताया कि मामूली विवाद को लेकर भाई ने भाई की हत्या कर फरार हो गया। जल्द आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जामताड़ा कांग्रेस संगठन विस्तार को लेकर डॉ. इरफान अंसारी के आवास पर बैठक

जामताड़ा /झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जामताड़ा में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के आवास पर कांग्रेस पार्टी की संगठनात्मक मजबूती को लेकर विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पर्यवेक्षक संतोष राय, महिला नेत्री पुष्पा कुमारी, पंचायत राज संगठन के जिला अध्यक्ष जब्बार अंसारी और अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में पंचायत राज संगठन को मजबूत करने, प्रखंड स्तर पर सक्रियता बढ़ाने और बूथ स्तर तक संगठन को धार देने पर चर्चा की गई। गुड्डा के पूर्व सांसद फुरकान अंसारी ने भी पार्टी संगठन को मजबूती देने के लिए कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान कांग्रेस जिला अध्यक्ष दीपिका बसेरा ने सभी प्रखंड अध्यक्षों व पदाधिकारियों से संगठनात्मक गतिविधियों को तेज करने और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने का आहवान किया। बैठक का मुख्य उद्देश्य पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करना और आगामी चुनावों की तैयारी सुनिश्चित करना था।

योग के माध्यम से आप आध्यात्मिक दुनिया का सूक्ष्म अनुभव कर सकते हैं: योगाचार्या

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आदित्य नारायण महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ संजय कुमार सिंह के अध्यक्षता एवं दुमका के सुप्रसिद्ध योगाचार्या सोना शर्मा के द्वारा योग कराया गया ।योग कार्यक्रम में काफी संख्या में छात्र - छात्राओं के साथ प्राध्यापक एवं शिक्षकेतर कर्मी गण भी उपस्थित होकर योग का अभ्यास किये ।योगाचार्या ने योग कराते हुए अपने संबोधन में कहा कि योग के माध्यम से शरीर, मन एवं मस्ती को स्वस्थ रखते हुए आध्यात्मिक जगत का सूक्ष्म अनुभव किया जा सकता है ।योग के माध्यम से हमारे शरीर के विकारों को दूर कर परमात्मा के साथ तादात्म्य बैठाने में सहायक सिद्ध होता है ।जीवन में आने वाले अनपेक्षित रोग से बचाव के लिए उन्होंने खास करके बीपी, शुगर, हार्ड अटैक आदि जैसी बीमारियों से बचने के लिए सहज योग कराए एवं बताये ।प्राचार्य उन्हें अंगवस्त्र (शाल) देकर के सम्मानित किए ।डॉ रीता सिन्हा और डॉ संजू कुमारी के द्वारा पुष्पगुच्छ देकर के स्वागत किया गया ।कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अन्हद लाल ने किए ।छायांकन का कार्य डॉ वीरेंद्रचंद्र गोराई ने किया ।कार्यक्रम को सफल बनाने में एनएसएस के कार्यक्रम पदाधिकारी- डॉ प्रमोद कुमार झा, डॉ संजय पाठक, प्रो. राजीव रंजन सिंह आदि ने महती भूमिका निभाई ।योग डोमेस्टेटर के रूप में सखी शर्मा एवं वीर शर्मा ने लोगों को योग कराने में सहायता प्रदान किये ।व्यवस्था में सहयोग करने वाले महाविद्यालय कर्मी अमरेंद्र कुमार, रणवीर सिंह, लुखिन टुडू, दीपक रजक, बाबूलाल सोरेन, प्रवीण हेंब्रम, देवीलाल किस्कू आदि प्रमुख थे।

टॉपर्स को बैंक ऑफ बड़ौदा के पदाधिकारियों ने किया पुरस्कृत

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। छात्र जय कुमार वर्मा (10वीं बोर्ड जिला टॉपर) और अलीजा परवीन (10वीं बोर्ड जिला टॉपर) को जोनल हेड (ओड़िशा) के निर्देशन में बैंक ऑफ बड़ौदा, दुमका द्वारा पुरस्कृत किया गया। वहीं दूसरी ओर सिदो कान्हू सीनियर सेकेंडरी स्कूल, रघुनाथपुर की छात्रा अक्षरा कोठरीवाल (12वीं विज्ञान, जिला टॉपर) और पायल सिन्हा (12वीं कला) को भी बैंक ऑफ बड़ौदा, दुमका द्वारा पुरस्कृत किया गया ।कार्यक्रम का संचालन शाखा प्रबंधक शशांक गुप्ता ने किया और बैंक ऑफ बड़ौदा के सभी कार्यालय कर्मचारियों ने इसमें सहयोग दिया। कार्यक्रम के दौरान चारों छात्रों ने प्रभावशाली भाषण दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ पीयूष कुमार (अंग्रेजी संकाय, एस पी कॉलेज) और अमित झा (अंग्रेजी विभागाध्यक्ष सहायक शिक्षक) थे।

तिवारी ऑटोमोबाइल्स दुमका ने किया टाटा की फाइव स्टार सेफ्टी रेटेड प्रीमियम हैचबैक अल्ट्रोज के नए संस्करण का भव्य लॉन्च

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। झारखंड – टाटा मोटर्स की शानदार और सुरक्षित गाड़ियों की श्रृंखला में एक और उत्कृष्ट नाम जुड़ गया है। तिवारी ऑटोमोबाइल्स दुमका ने शनिवार को एक भव्य समारोह के माध्यम से टाटा की फाइव स्टार सेफ्टी रेटेड प्रीमियम हैचबैक टाटा अल्ट्रोज़ के नए अवतार का दीप प्रज्वलित कर लॉन्च किया ।जनरल मैनेजर ने बताया की इस खास अवसर पर दुमका जिला परिवहन पदाधिकारी जय प्रकाश करमाली ने लॉन्च पर खुशी जाहिर किया है ।तिवारी ऑटोमोबाइल्स के जनरल मैनेजर आदित्य राज सिंह ने बताया कि यह कार आधुनिक फीचर्स से लैस है। इसमें हर्मन एक्सपेरिएंस, 360 डिग्री कैमरा, वायरलेस एप्पल कारप्ले और एंड्रॉइड ऑटो सिस्टम, प्रीमियम इंटीरियर्स, सीटिंग टेक्नोलॉजी, इन्फोटेनमेंट डिजिटल डिस्प्ले, रियर पार्किंग कैमरा, हेडअप डिस्प्ले, और कई अन्य फर्स्ट-इन-क्लास फीचर्स शामिल हैं ।हैंडक्राफ्ट डिज़ाइन के साथ आने वाली यह कार सेगमेंट की सबसे फुली लोडेड और स्टाइलिश लुक वाली मानी जा रही है। इसका डोर ओपनिंग एंगल 90 डिग्री है, जिससे इसमें बैठना और उतरना बेहद आसान हो जाता है ।इस प्रीमियम हैचबैक की शुरुआती कीमत 6.89 लाख है, और यह पांच आकर्षक रंगों में उपलब्ध है ।कार्यक्रम के आयोजन में टाटा मोटर्स के टेरिटरी सेल्स मैनेजर नयन मंडल ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने लोगों को गाड़ी की विशिष्टताओं, उच्च गुणवत्ता और आकर्षक डिज़ाइन की विस्तृत जानकारी दी ।इस लॉन्चिग इवेंट में दुमका के प्रतिष्ठित गणमान्य लोग, प्रमुख बैंक प्रतिनिधि, फाइनेंसर्स, तिवारी ऑटोमोबाइल्स की सेल्स टीम के सदस्य और बड़ी संख्या में ग्राहक मौजूद थे।

योगाभ्यास को अपने जीवन में नित्य क्रिया के रूप में शामिल करना चाहिए

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। 11वीं अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर तोकीपुर शिक्षक प्रशिक्षण (बी एड/ डी एल एड) महाविद्यालय, रानेश्वर, दुमका में महाविद्यालय के योगाचार्य स्वप्न सरकार के मार्गदर्शन में विभिन्न योगासनों का योगाभ्यास सभी प्रशिक्षणार्थियों के साथ-साथ प्रबंध समिति के सभी सदस्य, शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी के बीच बड़े ही जोश, उत्साह के साथ युवाओं की आध्यात्मिक, मानसिक एवं शारीरिक स्वस्थता, स्वच्छता, तथा परिपूर्णता हेतु भारतीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के निर्देशानुसार तथा एन सी टी ई के द्वारा निर्गत पत्र के अनुपालन में योग दिवस संपन्न कराया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सचिव नोरेन कुमार मोदी ने कहा कि योगाभ्यास को अपने जीवन में नित्य क्रिया के रूप में शामिल करना चाहिए। योगाभ्यास शारीरिक शुद्धि, मानसिक चेतना तथा आध्यात्मिक जागृति के साथ-साथ पूरे दैनिक जीवन के क्रियाकलाप में ऊर्जा उत्पन्न करता है। महेश मंडल ने ₹करो योग रहो निरोग₹ की बात कही। योगाचार्य स्वप्न सरकार के द्वारा विभिन्न आसनों का अभ्यास कराते समय सभी प्रशिक्षणार्थी पूरे उत्साह के साथ योगाभ्यास करते नजर आए। उनकी उत्सुकता बता रही थी, मानो जैसे उन्होंने योगाभ्यास को नए जीवन में शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक उर्जा संचार करने हेतु प्रतिदिन नित्य क्रिया के रूप में शामिल करने को ठान लिया हो। योगाभ्यास कार्यक्रम का आरंभ महाविद्यालय के कर्मचारियों एवं प्रबंध समिति के सदस्यों के द्वारा सम्मिलित रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस मौके पर महाविद्यालय के सभी प्रशिक्षणार्थियों के साथ-साथ महाविद्यालय परिवार के महेश मंडल , मो० तौसीफ , स्वप्न सरकार , सुरेश बास्की , देवयानी सरकार, शमिता सिंह, मो० राजा, श्रीकांत , मोनू, प्रशिक्षणार्थियों में राकेश , रोहित , नेहा , सुप्रिया इत्यादि सभी मौजूद थे। योगाभ्यास हेतु महाविद्यालय के द्वारा वर्षा वाले मौसम को ध्यान में रखकर दुमका से प्रशिक्षणार्थियों के लिए निःशुल्क बस सेवा का संचालन करवाया गया था।

11 वाँ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर संताल परगना महाविद्यालय में योग शिविर का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। संताल परगना महाविद्यालय में ग्यारहवाँ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस अत्यंत उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में एक भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया ।जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण, शिक्षकेतर कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 7:00 बजे महाविद्यालय परिसर में हुआ, जहाँ योग दिवस का औपचारिक उद्घाटन किया गया। प्राचार्य डॉ. के पी यादव ने अपने संबोधन में योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह मन और आत्मा को संतुलित करने की एक आध्यात्मिक पद्धति है। उन्होंने सभी छात्रों को प्रतिदिन योग करने की प्रेरणा दी ।कार्यक्रम में प्रशिक्षित योगाचार्य एवं योगगुरु रामदेव बाबा के शिष्य सह इतिहास विषय के विद्वान शिक्षक डॉ कमल शिवकांत हरि ने सभी प्रतिभागियों को विभिन्न योगासनों और प्राणायाम का अभ्यास कराया। ताड़ासन, त्रिकोणासन, भुजंगासन, शवासन, अनुलोम-विलोम, कपालभाति आदि आसनों का अभ्यास कराया गया, जिसका सभी उपस्थित लोगों ने उत्साहपूर्वक पालन किया ।छात्रों ने रंगारंग योग प्रदर्शनों के माध्यम से योग के विभिन्न आयामों को प्रस्तुत किया। इसके साथ ही महाविद्यालय के एनएसएस एवं एनसीसी इकाइयों ने योग के महत्व पर जागरूकता रैली भी निकाली, जिसमें ₹योग करें, रोग हटाएं₹, ₹स्वस्थ भारत, समृद्ध भारत₹, जैसे नारों के माध्यम से लोगों को योग अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के एन सी सी कमांडिंग ऑफिसर डॉ सैमुएल किस्कू, हिंदी विभाग के डॉ. यदुवंश यादव तथा एन एस एस इकाई 12 के प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. रंजीत कुमार दुबे ने भी योग के विविध पहलुओं पर अपने विचार व्यक्त किए और नियमित योगाभ्यास को जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में डॉ विश्वनाथ यादव, डॉ होलिका मरांडी, प्रो बसंती हांसदा, डॉ सुजीत कुमार आर्या, डॉ उपेंद्र कुमार, गोपाल झा, कुर्बान अंसारी, एवं प्रेम किस्कू संग सैंकड़ों स्वयंसेवी उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान एवं जलपान के साथ किया गया। योग दिवस के आयोजन में सभी विभागों की सक्रिय सहभागिता रही। संताल परगना महाविद्यालय द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम सफल रहा और इसके माध्यम से विद्यार्थियों एवं आमजन में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने का सार्थक प्रयास किया गया। पूरा कार्यक्रम कॉलेज प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर एवं रसायन विज्ञान विभाग के शिक्षक डॉ कुमार सौरभ के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

मारवाड़ी सम्मेलन का प्रतिभा सम्मान समारोह 12 जुलाई को

संवाददाता/राँची।

जिला मारवाड़ी सम्मेलन कार्यकारिणी सदस्यों की एक बैठक जिलाध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार की अध्यक्षता में शनिवार को महाराजा अग्रसेन भवन के सभागार में हुई। इसमें मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से किए गए विभिन्न कार्यों की समीक्षा की गई और भावी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। बैठक में अध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। कोषाध्यक्ष कमलेश संचेती ने जिला मारवाड़ी सम्मेलन के एक वर्ष के आय-व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया। इसमें निर्णय लिया गया कि 12 जुलाई को रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से महाराजा अग्रसेन भवन में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस समारोह के लिए विकास अग्रवाल और विशाल पाड़िया को कार्यक्रम संयोजक मनोनीत किया गया। वहीं बैठक में छह जुलाई को धनबाद में आयोजित होनेवाले झारखंड प्रांतीय अधिवेशन के संदर्भ में विस्तृत चर्चा की गई।

सुरेश चंद्र अग्रवाल पदभार करेंगे ग्रहण- जिला महामंत्री विनोद कुमार जैन ने बताया कि छह जुलाई को धनबाद के राजविलास रिसोर्ट में आयोजित प्रांतीय अधिवेशन मे नवनिर्वाचित झारखंड के प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल पदभार ग्रहण करेंगे। इस अधिवेशन में मुख्य रूप से केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। उन्होंने रांची से भी अधिक से अधिक संख्या में सदस्यों को प्रांतीय अधिवेशन मे भाग लेने का आग्रह किया। बैठक में मारवाड़ी सम्मेलन का सदस्यता अभियान बृहद स्तर पर चलाने का निर्णय लिया गया। बैठक का संचालन संयुक्त महामंत्री कौशल राजगढ़िया ने किया। जिला के संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि बैठक में रवि शंकर शर्मा, किशन साबू, पवन कुमार पोद्दार,नरेंद्र गंगवाल, मनोज चौधरी, विनोद कुमार जैन,कौशल राजगढ़िया रमेश शर्मा, अंजय सरावगी, राजेंद्र कुमार केडिया,निर्भय शंकर हरित, प्रमोद शाश्वत, पवन शर्मा, संजय सर्राफ, कमलेश संचेती, महेंद्र जैन, निर्मल बुधिया सहित अन्य उपस्थित थे।

एबीवीपी ने आयोजित किया भव्य योग शिविर, सैकड़ों छात्र हुए शामिल

संवाददाता/राँची।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) रांची महानगर इकाई की ओर से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार को गंगा प्रसाद बुधिया सरस्वती शिशु मंदिर, न्यू एरिया मोरहाबादी परिसर में भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए योग को जीवनशैली में अपनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत परिषद के महानगर मंत्री तुषार दुबे की ओर से दीप प्रज्वलन के साथ हुई। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि योग न केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि आत्मा और चेतना को जाग्रत करने की एक साधना है। यह हमारी भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। जो आज संपूर्ण विश्व को स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन का मार्ग दिखा रही है। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने योग के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक शांति, आत्मविश्वास और एकाग्रता भी प्रदान करता है। विद्यार्थियों को बचपन से ही योग को अपनाना चाहिए।

इस दौरान छात्रों ने सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, भ्रामरी, ताड़ासन, वृक्षासन सहित अन्य योग क्रियाओं का अभ्यास किया और प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में सही तकनीकों को सीखा। आयोजन में विद्यालय के शिक्षक, अभिभावक सहित अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री सोरेन ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर दी बधाई

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर बधाई और शुभकामनाएं दी है। सोरेन ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि प्रकृति के साथ एकात्मता, संयम और सहजता, यही हमारी संस्कृति है और यही योग का वास्तविक स्वरूप भी है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सभी को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं और जोहार।

योग दिवस का उद्देश्य है आमजन को स्वस्थ जीवन के लिये प्रेरित करना : राम मनोज साहू

रांची। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हटिया मंडल की ओर से शुक्रवार को हटिया में भव्य योग शिविर का आयोजन किया गया। योग शिक्षिका पूजा सिंह के निर्देशन में प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन और प्राणायाम का अभ्यास किया। मौके पर मंडल अध्यक्ष राम मनोज साहू ने कहा कि योग दिवस का उद्देश्य आमजन को स्वस्थ जीवन के प्रति प्रेरित करना है। गणेश मिश्रा ने कहा कि योग शरीर और मन को स्वस्थ रखता है। साथ ही देश के निर्माण में व्यक्ति की भूमिका को सशक्त बनाता है। दुर्गेश यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से 2014 में योग दिवस की वैश्विक पहल को ऐतिहासिक बताया और 2025 की थीम 'योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ' को समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक बताया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गणेश मिश्रा, सुनील गुप्ता बतौर मुख्य अतिथि छात्र नेता दुर्गेश यादव, अर्चना सिंह, सुप्रिया दुबे, पारस सोनी समेत सैकड़ों की संख्या में आमजन और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

योग दिवस पर रिम्स के चिकित्सकों ने किया योगाभ्यास

रांची। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शनिवार को रिम्स के चिकित्सकों और विद्यार्थियों ने योगाभ्यास किया। इस अवसर पर रिम्सर के निदेशक प्रो (डॉ) राजकुमार, मेडिकल सुपरीटेंडेंट प्रो (डॉ) हिरेंद्र बिरूआ, एडिशनल मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ सैलेश त्रिपाठी, डिप्टी मेडिकल सुपरीटेंडेंट डॉ राजीव रंजन, एचओडी ऑथ्योमोलॉजी डॉ सुनील कुमार, डेंटल इंस्टीच्यूट के प्रभारी प्राचार्य डॉ जयप्रकाश, फार्माकोलॉजी के प्रोफेसर डॉ लखन मांझी सहित अन्य चिकित्सक और रिम्स के विद्यार्थी मौजूद थे।

राधा कृष्ण मंदिर में दिव्यांगों को कराया गया योगाभ्यास

रांची। प्रणामी ट्रस्ट की ओर से संचालित पुंदाग में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर शनिवार को श्री राधा कृष्ण मंदिर परिसर में विशेष योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सदुरु अपना घर आश्रम के दिव्यांगों और सेवादारों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन मंदिर के पुजारी अरविंद पांडे ने किया गया। उन्होंने अपने मार्गदर्शन में सभी को विभिन्न प्राणायामों और योगासन का अभ्यास कराया। इस अवसर पर अरविंद पांडे ने उपस्थित दिव्यांगों को योग के महत्व की जानकारी देते हुए बताया कि नियमित योगाभ्यास से मानसिक और शारीरिक दोनों ही स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी होता है। विशेष रूप से दिव्यांगजनों के लिए योग न केवल शरीर को सुदृढ़ बनाता है, बल्कि मानसिक शांति और आत्मबल में भी वृद्धि करता है। कार्यक्रम के दौरान अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, कपालभाति जैसे प्राणायामों के साथ-साथ ताड़ासन, वज्रासन और सरल ध्यान तकनीकों का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम के अंत में सामूहिक शांति पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर सभी लोगों को फल, चना और पानी दिया गया। मौके पर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल और प्रवक्ता संजय सर्राफ सहित अन्य मौजूद थे।

अनियंत्रित कार पोल से टकराई, बाल बाल बचे लोग

रांची। रांची के मोरहाबादी इलाके में शनिवार की सुबह एक बड़ा हादसा होने से बच गया। सुबह के समय लोग मॉर्निंग वॉक कर रहे थे, तभी राजकीय अतिथिशाला की ओर से तेज रफ्तार में आ रही एक वोल्वो कार अनियंत्रित होकर रामदयाल मुंडा पार्क के समीप एक पोल से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत यह रही कि इस दुर्घटना में मॉर्निंग वॉक कर रहे किसी भी व्यक्ति को कार ने अपनी चपेट में नहीं लिया। कार चालक को इस घटना में मामूली चोटें आई हैं। लोगों ने घटना की जानकारी तुरंत पुलिस को दी। सूचना पाकर मोरहाबादी टीओपी पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त कार को सड़क से हटवाया। घायल चालक को अस्पताल भेजा। टीओपी प्रभारी ने बताया कि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

शरीर और आत्मा का पूर्ण एकीकरण ही योग : प्राचार्य

रांची। डीएवी पब्लिक स्कूल, बरियातु में योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ थीम पर आधारित अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के 11वें संस्करण का शनिवार को आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः कालीन महाहवन से हुई। इसके बाद योग प्रशिक्षक चक्रवर्ती ने प्राचार्य संजय कुमार मिश्रा की उपस्थिति में विद्यार्थियों और शिक्षकों को योगाभ्यास कराया। इस वर्ष के योग दिवस की थीम एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग के माध्यम से भारत के विश्व कल्याण और विश्व बंधुत्व के नीतियों के महत्व पर प्रकाश डाला गया। योग के माध्यम से ध्यान और श्वास नियंत्रण प्रक्रिया से आंतरिक, शक्ति, शान्ति और बल सशक्त होता है जो सम्यक् ज्ञान, सम्यक आचरण और समाान व्यवहार को संवर्द्धित करने में सहायक होता है। योग प्रशिक्षक ने प्राणायाम, पवनमुक्तासन, ताड़ासन, भुजंगासन, शलभासन और अन्य आसनों का अभ्यास कराया और साथ ही इनके महत्व को बताया। इस मौके पर प्राचार्य ने महर्षि पतंजलि की ओर से प्रतिपादित अष्टांग योग के विभिन्न आयामों यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों से समग्र व्यक्तित्व के विकास के लिए योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने का आह्वान किया। इस अवसर पर सकूल के कई शिक्षक विद्यार्थी मौजूद थे।

समर्पण ट्रस्ट ने ग्रामीण बच्चों को कराया योग

रांची। अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट और नटराज योग संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में कांके डैम के पीछे कूटा टंगरा गांव में शनिशार को एक दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में समर्पण चैरिटेबल ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी आनंद केडिया, उमेश केडिया, स्मिता केडिया, रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी, समाजसेविका डॉली झा सहित अन्य गणमान्य मौजूद थे। मौके पर योगाचार्य आर्य प्रहलाद भगत ने ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को योग के लाभ के बारे में जानकारी दी। साथ ही विभिन्न आसान, प्राणायाम और ध्यान का भी अभ्यास कराया। समाजसेवी आशुतोष द्विवेदी ने कहा कि पूरा देश इस समय योग दिवस मना रहा है पर आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में योग जागरूकता लाने की आवश्यकता है।

श्रीराम टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज में मना अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

संवाददाता/राँची।

श्रीराम टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज में 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस महाविद्यालय के मल्टीपरपज हॉल में शनिवार को मनाया गया। मौके पर महाविद्यालय के सचिव विकास सिन्हा ने कहा कि योग केवल शारीरिक लचीलापन नहीं, बल्कि यह जीवन में अनुशासन, सकारात्मकता और संतुलन का माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित योगाभ्यास कर समाज में एक स्वस्थ, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष की थीम योग फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। योग को आधुनिक जीवन और विद्यालय की शिक्षा के लिए अभिन्न अंग मानते हुए आत्मसात करने की जरूरत है।

प्राचार्य डॉ आनंद मोय ने युवाओं को योग को जीवनशैली में अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने योग को मानसिक संतुलन और तनावमुक्त जीवन का आधार बताया। इस दौरान प्रशिक्षु छात्र-छात्राओं ने योग प्रशिक्षक की देखरेख में ताड़ासन, वज्रासन, भुजंगासन, अनुलोम-विलोम, कपालभाति सहित कई योग क्रियाओं का अभ्यास किया। मौके पर महाविद्यालय के डीन डॉ सुरजीत सिंह ने सभी अतिथियों, विद्यार्थियों और सहयोगियों का आभार जताते हुए महाविद्यालय भविष्य में इस प्रकार के आयोजनों से विद्यार्थियों में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने की बात कही। मौके पर बीएड और डीएलएड के सभी प्रशिक्षु छात्र-छात्राएं, शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारी मौजूद थे।

छात्रवृति योजना के लिए छात्रों का करें शीघ्र चयन : चमरा लिंडा

संवाददाता/राँची।

आदिवासी कार्य मंत्री चमरा लिंडा ने शनिवार को विभागीय सचिव, आदिवासी कल्याण आयुक्त एवं आदिवासी सहकारी विकास निगम के प्रबंध निदेशक के साथ विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की। इसमें उन्होंने विभागीय योजनाओं के बेहतर संचालन एवं लाभार्थियों तक समय पर लाभ पहुंचाने को लेकर कई अहम निर्देश दिए। मंत्री ने शिक्षा क्षेत्र पर विशेष जोर देते हुए अनुसूचित जनजाति के मेधावी छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए उत्कृष्ट कोचिंग संस्थानों में प्रशिक्षण की सुविधा सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण कोचिंग से युवाओं को मुख्यधारा में लाने में मदद मिलेगी।

बैठक में मरंड. गोमके पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना के तहत छात्र-छात्राओं के शीघ्र चयन की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने को भी कहा गया। इस योजना के अंतर्गत विदेशों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले आदिवासी विद्यार्थियों को सहायता प्रदान की जाती है। इसके साथ ही राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी साइकिल योजना को तेज़ी से लागू करते हुए सभी जिलों में शीघ्र साइकिल वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मंत्री ने मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया और युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करने के प्रयासों को तेज करने की बात कही। स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी मंत्री ने 16 ग्रामीण कल्याण अस्पतालों के बेहतर प्रबंधन एवं संचालन के लिए त्वरित कदम उठाने का निर्देश दिया ताकि दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी योजनाओं की समयबद्ध समीक्षा कर उन पर क्रियान्वयन की गति बढ़ाई जाए ताकि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके।

योग भारत की ओर से सम्पूर्ण विश्व को दिया गया एक अनुपम उपहार है : राज्यपाल

संवाददाता/राँची।

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि योग भारत की ओर से सम्पूर्ण विश्व को दिया गया एक अनुपम उपहार है। यह केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के सामंजस्य का विज्ञान है। राज्यपाल शनिवार को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के पर राजभवन के बिरसा मंडप में सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि योग जीवन को संतुलित करने की कला है और इसके अभ्यास से हम स्वस्थ शरीर, शांत चित्त एवं ऊर्जावान जीवन की ओर अग्रसर होते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में योग को वैश्विक पहचान मिली और 21 जून को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में मान्यता मिलना भारत की सांस्कृतिक शक्ति का प्रतीक है।

कार्यक्रम में स्कूली बच्चों की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि योग बच्चों और युवाओं के लिए केवल स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि एकाग्रता, आत्मबल और अनुशासन का भी माध्यम है। सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे प्रतिदिन योग करें और समाज में योग के प्रचार-प्रसार के लिए अन्य लोगों को भी प्रेरित करें। इस कार्यक्रम में राजभवन परिवार के सदस्यों एवं आमंत्रित स्कूली बच्चों ने सक्रियता से भाग लिया।

गुरुनानक सत्संग सभा का चुनाव 22 को

संवाददाता/राँची।

गुरुद्वारा श्रीगुरुनानक सत्संग सभा और गुरुनानक भवन कमिटी का द्विवार्षिक चुनाव रविवार को कृष्णा नगर कॉलोनी, रातू रोड में होगा। गुरुनानक सत्संग सभा की २१ सीटों के लिए कुल २४ और गुरुनानक भवन कमिटी की पांच सीटों के लिए कुल सात उम्मीदवार मैदान में हैं। सभी चुनावी प्रक्रिया मुख्य चुनाव पदाधिकारी और पूर्व पार्षद देवराज खत्री, सह चुनाव पदाधिकारी डॉ अजय छाबड़ा प्रकाश अरोड़ा और हरीश नागपाल की देखरेख में होगी। वहीं मतगणना की जिम्मेवारी पीपी कंपाउंड स्थित गुरुनानक हायर सेकंडरी स्कूल के शिक्षकों को सौंपी गई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए देवराज खत्री ने शनिवार को बताया कि कुल 680 मतदाता अपने मतों का उपयोग कर गुरुनानक सत्संग सभा के 21 और गुरुनानक भवन कमिटी के पांच सदस्यों का चयन करेंगे। मतदान गुरुनानक भवन हॉल में होगा। विजयी प्रत्याशियों की घोषणा रविवार को ही की जाएगी। शहर से बाहर रह रहे सदस्यों के लिए चुनाव कमिटी ने लिंक उपलब्ध कराया है। इससे वे अपने शहर से ही मतदान कर सकेंगे। सह मीडिया पदाधिकारी डॉ अजय छाबड़ा ने बताया कि गुरुनानक सत्संग सभा के प्रत्यामशियों के नाम आशु मिढ़ा, अर्जुन देव मिढ़ा, अनूप गिरधर, अमरजीत गिरधर, अजय कुमार मुंजाल, अशोक मुंजाल, बसन्त काठपाल, बिनोद कुमार सुखीजा, गुलशन मिढ़ा, हरजीत सिंह बेदी (जीतू बेदी), हरजीत कुमार अरोड़ा(जीतू), इंदर मिढ़ा सहित अन्य है। वहीं गुरुनानक भवन के प्रत्याशियों में हरबिंदर सिंह मिढ़ा, कंवलजीत सिंह मिढ़ा, किशन गिरधर, मोहन खीरबाट, नीरज कुमार गखड़, नरेश पपनेजा, प्रेम मिढ़ा का नाम शामिल हैं।

कलकत्ता पब्लिक स्कूल में छात्रों ने उत्साह से मनाया योग दिवस

संवाददाता/राँची।

ओरमांझी स्थित कलकत्ता पब्लिक स्कूल में शनिवार को 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। मौके पर प्राचार्य प्रियम्दा झा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच के अनुरूप 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने का निर्णय, भारतवासियों के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि योग से हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए अति आवश्यक है। कलकत्ता पब्लिक स्कूल के रेक्टर मिथिलेश कुमार मिश्रा ने योग और अष्टांग योग की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि योग वैदिक काल से हमारी धरोहर है। आज भारत के प्रस्ताव पर सहमति के बाद विश्व के 190 देशों में योग दिवस मनाया जा रहा है, जो हमारे लिए गर्व का विषय है। योग शिक्षक पुरुषोत्तम पांडे ने शिक्षक छात्रों को खासकर प्राणायाम (अनुलोम-विलोम, भ्रामरी उदगीत, कपालभाती) सूक्ष्म व्यायाम सहित वज्रासन, बालासन, ताड़ासन, वृक्षासन, सूर्य नमस्कार, चक्रासन, धनुरासन, शलमासन, वज्रासन, गोमुखासन कराया।

इस दौरान छात्रों में लक्ष्मी कुमारी, करुणा कुमारी, आराध्या प्रसाद, आराध्या कुमारी, रिचा कुमारी, आर्यन कुमार, ईशा उज्मा ने भी योग कर वहां मौजूद लोगों को योग, प्राणायाम और आसन के गुर सिखए। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की प्राचार्य प्रियंम्दाझा, रेक्टर मिथिलेश कुमार मिश्र, योग शिक्षक श्रीपुरुषोत्तम पांडे, शिक्षक, गैर शैक्षणिक कर्मी, छात्र-छात्राएं समेत अन्य लोग मौजूद थे।

रांची विश्वविद्यालय में पूर्व कुलपति को दी गई विदाई

संवाददाता/राँची।

रांची विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा को शनिवार को विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों और शिक्षिकेत्तर कर्मियों ने भावभीनी विदाई दी। साथ ही उन्हें आने वाले समय के लिए शुभकामनाएं दी। मौके पर पूर्व कुलपति डॉ सिन्हा ने ने भी विश्वविद्यालय के सभी सहयोगियों के प्रति कृतज्ञता प्रकट की। इस मौके पर डॉ सिन्हा ने कहा कि उनका कुलपति के रूप में कार्यकाल समाप्त हो चुका है और ऐसे में उनका हृदय कृतज्ञता से भरा हुआ है। उन्होंने कहा कि रांची विश्वविद्यालय की सेवा करना मेरे जीवन का एक अत्यंत गौरवपूर्ण अनुभव रहा है। उन्होंने कहा कि हमने साथ मिलकर अनेक चुनौतियों का सामना किया और अनेक उपलब्धियां अर्जित कीं। इस संस्था से मेरा जुड़ाव औपचारिक दायित्वों से कहीं अधिक गहरा है और सदैव रहेगा। उन्होंने कहा कि मेरे कुलपति कार्यकाल के समापन पर मैं आप सभी का हृदय से आभार प्रकट करता हूं।

मौके पर उन्होंने मीडिया के प्रति भी कृतज्ञता प्रकट की और कहा कि मीडिया ने रांची विश्वविद्यालय की गतिविधि, उपलब्धियों और विचारों को समाज तक पहुंचाने में एक पुल की तरह कार्य किया है। मीडिया की निष्पक्ष और जिम्मेदार पत्रकारिता के लिए विशेष रूप से आभार प्रकट करता हूं। मीडिया का सहयोग विश्वविद्यालय की पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। आशा है कि भविष्य में भी मीडिया का स्नेह और सहयोग बना रहेगा।

एलेनबैरी इंडस्ट्रियल गैसेज का आईपीओ 24 जून को खुलेगा, प्राइस बैंड 380-400 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी

नई दिल्ली। औद्योगिक एवं चिकित्सा गैस क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एलेनबैरी इंडस्ट्रियल गैसेज लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए 24 जून को खुलेगा और गुरुवार, 26 जून को बंद होगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 380-400 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने एक बयान में बताया कि अपने पहले आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के लिए 2 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर के लिए मूल्य का दायरा 380-400 रुपये निर्धारित किया गया है। यह आईपीओ ताजा इक्विटी जारी करने और बिक्री के लिए पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इसके लिए निवेशक न्यूनतम 37 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 37 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। एलेनबैरी इंडस्ट्रियल गैसेज लिमिटेड के इस आईपीओ में 400 करोड़ तक के नए निर्गम और पद्म कुमार अग्रवाल द्वारा 56,56,565 इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश तथा वरुण अग्रवाल द्वारा 56,56,565 इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश शामिल है। कंपनी की योजना इस नए इश्यू से प्राप्त 210 करोड़ रुपये की धनराशि का उपयोग एलेनबैरी इंडस्ट्रियल गैसेज द्वारा लिए गए कुछ बकाया उधारों के पूर्ण या आंशिक पुनर्भुगतान, पूर्व भुगतान के लिए किया जाएगा।

डीपीआईआईटी और योरस्टोरी मीडिया ने देशभर में जमीनी स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए हाथ मिलाया

नई दिल्ली। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने अग्रणी डिजिटल प्लेटफॉर्म योरस्टोरी मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ में एक रणनीतिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस पहल का उद्देश्य समावेशी उद्यमिता को बढ़ावा देना और पूरे भारत में गतिशील स्टार्टअप का समर्थन करना है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि इस समझौता ज्ञापन पर औपचारिक रूप से डीपीआईआईटी के उप सचिव राजेश कुमार और योरस्टोरी एवं द भारत प्रोजेक्ट की संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) श्रद्धा शर्मा ने दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव संजीव सिंह ने उद्यमियों की अगली पीढ़ी को आगे बढ़ाने में समावेशी प्लेटफार्मों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि साझेदारी नेटवर्क, ज्ञान और सफलता की कहानियों तक पहुंच का विस्तार करेगी, विशेष रूप से वंचित क्षेत्रों के महत्वाकांक्षी संस्थापकों के लिए जिससे भारत की वैश्विक नवाचार केंद्र बनने की यात्रा में तेजी आएगी।

भारत दे सकता है यूके की अर्थव्यवस्था को रफ्तार : पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को तेजी से बढ़ने में मदद कर सकता है। भारतीय यूके जाकर वहां की अर्थव्यवस्था में मूल्य जोड़ते हैं। मुक्त व्यापार समझौते से दोनों देशों के रिश्ते और मजबूत होंगे। गोयल ने लंदन में इंडिया ग्लोबल फोरम (आईजीएफ) में यह बात कही। उन्होंने कहा कि हम इस अनिश्चित विश्व में जो अस्थिरता, अनिश्चितता, चुनौतियों और संकटों से भरा हुआ है, ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को तेजी से बढ़ने में मदद कर सकते हैं। इस समय दुनिया संकटों और चुनौतियों से भरी है। फिर भी भारत स्थिरता, तेज विकास के दौर में है। यहां के लोग अपने शांत स्वभाव के कारण पूरे विश्वभर में जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि चार करोड़ भारतीय विश्व के अलग-अलग देशों में रहते हैं, जो अपनी प्रतिभा और कौशल के लिए पहचाने जाते हैं। इंडिया ग्लोबल फोरम में बोलते हुए गोयल ने यूके-भारत मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि इसे मुफ्त में दिए जाने वाला कहना अनुचित है। भारतीय लोग जब यहां आते हैं तो वे यूके की अर्थव्यवस्था में मूल्य जोड़ते हैं।

सेल ने आईएनएस 'अर्णाला' का उत्पादन करने के लिए आपूर्ति की स्टील

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने रक्षा के क्षेत्र में देश की आत्मनिर्भरता और आयात प्रतिस्थापन की दिशा में एक और कदम बढ़ाया है। देश की महारत्न कंपनी सेल ने देश के पहले एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट अर्णाला के लिए विशेष इस्पात की जरूरत को सफलतापूर्वक पूरा किया है। आईएनएस अर्नाला को 18 जून को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। मंत्रालय ने कहा कि सेल ने गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) में बनाए जा रहे अन्य सात एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी कोरवेट के लिए भी विशेष इस्पात की पूरी आपूर्ति की है। रक्षा स्वदेशीकरण की दिशा में भारत के प्रयासों में एक प्रमुख भागीदार के तौर पर सेल ने इस परियोजना के लिए आवश्यक जरूरत की विशेष स्टील की आपूर्ति की है। यह देश की आत्मनिर्भर भारत की पहल को लागू करने और आयात पर निर्भरता को कम करने में सेल की प्रतिबद्धता का एक और प्रभावशाली उदाहरण है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रूस के डिप्टी पीएम से की मुलाकात, रेयर अर्थ मेटल के साथ कई मुद्दों पर की चर्चा

एजेंसी

सेंट पीटर्सबर्ग। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रूस के उपप्रधानमंत्री अलेक्सी ओवरचुक से मुलाकात की और ट्रांसपोर्ट, कनेक्टिविटी, इन्फ्रास्ट्रक्चर और रेयर अर्थ मेटल जैसे मुद्दों पर चर्चा की। दोनों देश के दिग्गज लीडर्स के बीच यह मुलाकात रूस के सबसे बड़े शहरों में एक सेंट पीटर्सबर्ग में हुई है। केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, रूस के उपप्रधानमंत्री अलेक्सी ओवरचुक से मुलाकात की। ट्रांसपोर्ट, कनेक्टिविटी, इन्फ्रास्ट्रक्चर और रेयर अर्थ मेटल सहित सहयोग के प्रमुख मुद्दों को लेकर चर्चा की।' सेंट पीटर्सबर्ग में भारत की कॉन्सुलेट जनरल की ओर से की गई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर की गई पोस्ट के मुताबिक, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम (एसपीआईईएफ 2025) में भाग

लेने के लिए सेंट पीटर्सबर्ग पहुंचे हैं। एसपीआईईएफ 2025, 18 जून को शुरू हो चुकी है और यह 21 जून तक चलेगी।रूस जाने से पहले रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 17 जून को हरियाणा के मानेसर में मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड प्लांट में देश के सबसे बड़े ऑटोमोबाइल मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल का उद्घाटन किया था। मारुति सुजुकी के प्लांट में नया गति शक्ति कार्गो टर्मिनल ऑटोमोबाइल परिवहन की लॉजिस्टिक्स दक्षता को काफी हद तक बढ़ाता है। मानेसर प्लांट 10 किलोमीटर के रेल लिंक के माध्यम से पाटली रेलवे स्टेशन से जुड़ा हुआ है, जो हरियाणा रेल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एचआरआईडीसी) द्वारा विकसित किए जा रहे 121.7 किलोमीटर लंबे हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर का हिस्सा है। इस 10 किलोमीटर के लिंक के निर्माण के लिए 800 करोड़ रुपए का निवेश किया गया है, जिसमें एचआरआईडीसी ने 684 करोड़ रुपए का योगदान दिया और शेष राशि मारुति सुजुकी द्वारा दी गई। इस गति शक्ति कार्गो टर्मिनल की लोडिंग क्षमता 4.5 लाख ऑटोमोबाइल प्रति वर्ष के साथ भारत में सबसे अधिक है। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में भारतीय रेलवे में बड़ा बदलाव आया है। 2014 से पहले भारतीय रेलवे का वार्षिक बजट 24,000 से 25,000 करोड़ रुपए था, जो कि बढ़कर अब 2.5 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

लगातार तीसरे दिन गिरा शेयर बाजार, निवेशकों को 1 दिन में लगी 3.70 लाख करोड़ की चपत

एजेंसी

नई दिल्ली। पूरे दिन सीमित दायरे में उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार आज मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाकर सेंसेक्स और निफ्टी को कुछ देर के लिए हरे निशान में पहुंचाने में सफलता भी हासिल की, लेकिन ये तेजी अधिक देर तक टिक नहीं सकी। बिकवाली के दबाव की वजह से ये दोनों सूचकांक एक बार फिर लाल निशान में गिर गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.10 प्रतिशत और निफ्टी 0.08 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान मेटल, रियल्टी और आईटी सेक्टर के शेयरों में जम कर बिकवाली होती रही। इसके अलावा बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, ऑटोमोबाइल इंडेक्स आज 0.52 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद होने में सफल रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.64 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.77 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब पौने चार लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 442.58 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया।

स्टॉक मार्केट में ओसवाल पम्प्स की मजबूत एंट्री, मुनाफे में कंपनी के आईपीओ निवेशक

मुंबई।

नई दिल्ली। सोलर पंप और सबमर्सिबल बनाने वाली कंपनी ओसवाल पम्प्स के शेयरों की आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 614 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 632 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 634 रुपये के स्तर पर हुई। इस तरह मार्केट में एंट्री करते ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को करीब 3 प्रतिशत का लिस्टिंग गेन मिल गया। मार्केट में एंट्री के बाद भी कंपनी के शेयर फिलहाल मजबूती दिखा रहे हैं। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10~15 बजे ये शेयर 644.40 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को अभी तक 4.95 प्रतिशत का फायदा हो चुका है। ओसवाल पम्प्स का 1,387.34 करोड़ रुपये का आईपीओ 13 से 17 जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 34.42 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के

लिए रिजर्व पोर्शन 88.08 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 36.70 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 3.60 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 890 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं, जबकि 1 रुपये फेस वैल्यू वाले 81 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी नई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने, पुराने कर्ज को चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 16.93 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 34.20 करोड़ रुपये और 2023-24 में 97.67 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 47 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 761.23 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

सोना और चांदी की कीमत में मामूली तेजी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने और चांदी की कीमत में मामूली तेजी नजर आ रही है। भाव में तेजी आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,01,090 रुपये से लेकर 1,01,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 92,660 रुपये से लेकर 92,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना की तरह ही चांदी के भाव में आज तेजी आई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,12,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,01,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 92,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,01,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,01,120 रुपये प्रति

10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,710 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,01,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 92,660 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,01,090 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,01,220 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 92,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 92,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,01,220 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,01,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 92,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भारत में यूपीआई का प्रयोग सामान्य व्यवहार का हिस्सा बनाः बीकन का सर्वे

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का इस्तेमाल अब सामान्य व्यवहार का हिस्सा बन गया है। कनाडा में भारतीय प्रवासी समुदाय के लिए अग्रणी क्रॉस-बॉर्डर फिनटेक प्लेटफॉर्म बीकन की तरफ से यूपीआई उपयोग को लेकर किए गए सर्वे रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। यह रिपोर्ट कनाडा में बसे एनआरआई (अनिवासी भारतीयों) की भारत में अपने वित्तीय दायित्वों को निभाने के तरीके में हो रहे मूलभूत बदलावों को दर्शाती है। बीकन के विश्लेषण में यह बात सामने आई है कि भारत में यूपीआई सामान्य व्यवहार का हिस्सा बन गया है। इसके बाद हाल ही में कनाडा आए एनआरआई भी उसी गति और सुविधा की उम्मीद करते हैं, जब वे भारत में अपने परिवार को पैसे भेजते हैं या खर्चों का प्रबंधन करते हैं। यहां तक कि लंबे समय से बसे एनआरआई भी अब यूपीआई का उपयोग करने लगे हैं क्योंकि भारत में उनके परिवारजन, मकान मालिक या सेवा प्रदाता अब खाता नंबर के बजाय यूपीआई आईडी मांगते हैं। बीकन के सह-संस्थापक आदित्य म्हात्रे ने जारी बयान में कहा कि जब वे भारत से कनाडा गए तो खुद विदेश में वित्तीय प्रबंधन की चुनौतियों को अनुभव किया। एनआरआई द्वारा यूपीआई को अपनाना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि अब एक पीढ़ीगत बदलाव हो रहा है जिसमें लोग वित्तीय स्वतंत्रता और डिजिटल-फर्स्ट व्यवहार को प्राथमिकता दे रहे हैं। हमारा प्लेटफॉर्म इस परिवर्तन को सक्षम बनाता है–यह कैनेडियन डॉलर से भारतीय रुपये में यूपीआई इन्फ्रास्ट्रक्चर के ज़रिए भुगतान को संभव बनाता है, जिससे पारंपरिक बैंकिंग की जटिलताएं समाप्त हो जाती हैं। बीकन के अनुसार, कनाडा में 70 प्रतिशत से अधिक भारतीय छात्र क्रॉस-बॉर्डर लेनदेन के लिए मोबाइल-फर्स्ट फिनटेक प्लेटफॉर्म को प्राथमिकता देते हैं। भारतीय छात्र और एनआरआई कनाडा के सबसे अधिक डिजिटल रूप से सक्रिय और वित्तीय रूप से शामिल वर्गों में आते हैं, जिन्हें तेज़, लचीली और पारदर्शी सेवाओं की आवश्यकता होती है। कनाडा में भारतीय मूल की आबादी 18.5 लाख से अधिक हो चुकी है, जो कुल जनसंख्या का 5.1 प्रतिशत है। भारत से कनाडा आने वाले स्थायी निवासियों की संख्या 2013 में जहां लगभग 33,000 थी, वहीं 2023 में यह बढ़कर 1.4 लाख हो गई–यानी 326 प्रतिशत की वृद्धि। केवल 2024 में ही भारत से आए नागरिक कनाडा के कुल नए नागरिकों का लगभग 23.4 प्रतिशत (87,800 लोग) रहे। भारत को कनाडा से भेजी जाने वाली रेमिटेंस 2024 में लगभग 4 अरब डॉलर तक पहुंच गई है। यह वृद्धि ऐसे समय में हो रही है जब भारत लगातार 2024 में भी कुल 129.4 अरब डॉलर के साथ ग्लोबल रेमिटेंस का शीर्ष प्राप्तकर्ता बना हुआ है। अकेले यूपीआई ने 2024 में 172 अरब से अधिक लेनदेन किए–पिछले वर्ष की तुलना में 46 प्रतिशत अधिक–जो इसकी विश्वसनीयता और वास्तविक समय पर भुगतान की क्षमता को दर्शाता है।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर देशभर में करेगा 50 कार्यक्रम

एजेंसी

नई दिल्ली। खान मंत्रालय के अधीन भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) 21 जून को राष्ट्रव्यापी भागीदारी के साथ 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) मनाने जा रहा है। जीएसआई इस अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर देशभर में 50 कार्यक्रमों का आयोजन करेगा। खान मंत्रालय ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए देशभर में 50 कार्यक्रमों की तैयारी शुरू कर दी है। इस वर्ष की थीम 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' को ध्यान में रखते हुए जीएसआई ने अपने कर्मियों और आम जनता के बीच समग्र स्वास्थ्य और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए देशभर में 46 स्थानों पर 50 कार्यक्रमों की योजना बनाई है। मंत्रालय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप जीएसआई कोलकाता में अपने केंद्रीय मुख्यालय, क्षेत्रीय और राज्य इकाई कार्यालयों, 12 भू-विरासत स्थलों, 6 ड्रिलिंग फील्ड कैंपों और 3 प्रशिक्षण केंद्रों पर निर्देशित योग सत्र आयोजित करेगा। इस पहल में जीएसआई कर्मियों, स्कूली छात्रों और स्थानीय समुदायों के सदस्यों सहित 3,000 से अधिक प्रतिभागियों के भाग लेने की आशा है। खान मंत्रालय के मुताबिक जीएसआई अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के लिए काउंटडाउन कार्यक्रम में भी भाग लेगा। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी के साथ इस बार लाइव योग सत्र का आयोजन 20 जून, 2025 को हैदराबाद में होगा। इस समन्वित पहल के जरिए जीएसआई स्वास्थ्य और कल्याण को प्रोत्साहन देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

नागरिक उड्डयन मंत्री ने एयरलाइनों, हवाईअड्डा अधिकारियों के साथ यात्री सुरक्षा मुद्दों का जायजा लिया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही सेकंड बाद एयर इंडिया के विमान की दुखद दुर्घटना के मद्देनजर सुरक्षा, यात्री सुविधा और एयरलाइन के प्रदर्शन की व्यापक समीक्षा की है। वीडियो कांसिंग के जरिए हुई बैठक में देशभर के सभी हवाईअड्डा निदेशक शामिल हुए।

राम मोहन नायडू की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में दुर्घटना के बाद की जांच, मौसम में बदलाव, भू-राजनीतिक तनाव के कारण कुछ हवाई क्षेत्रों को बंद करने आदि जैसे कई कारणों से उड़ानों के पुनर्निर्धारण के मद्देनजर जमीनी स्तर की तैयारियों और यात्री सहायता तंत्र की समीक्षा की गई। बैठक में यात्रियों की समस्याओं का त्वरित और तत्काल समाधान सुनिश्चित करने के लिए एयरलाइनों के साथ घनिष्ठ संपर्क पर जोर दिया गया। खासकर उड़ान में

देरी या भीड़भाड़ के दौरान टर्मिनलों पर भोजन, पीने के पानी और पर्याप्त बैठने की सुविधा की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में कहा गया कि यात्रियों की शिकायतों का सक्रिय रूप से समाधान करने के लिए प्रमुख टचपॉइंट पर पर्याप्त कर्मियों को तैनात किया जाना चाहिए। एयरपोर्ट निदेशकों से अनुरोध किया गया कि वे परिचालन संबंधी व्यवधानों का सामना कर रही एयरलाइनों को हर संभव सहायता प्रदान करें, जिसमें गेट पुनःनिर्धारण और रसद सहायता शामिल है। एयरपोर्ट के सुरक्षित वातावरण को बनाए रखने के लिए, एयरपोर्ट निदेशकों को पक्षियों और आवारा जानवरों को रोकने सहित वन्यजीव जोखिम प्रबंधन को सुदृढ़ करने का निर्देश दिया गया।केंद्रीय मंत्री नागरिक उड्डयन मंत्री ने एयर इंडिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक कैम्पबेल विल्सन के साथ परिचालन निरंतरता बनाए रखने, जनता के साथ पारदर्शी और जवाबदेह संचार का समर्थन करने के साथ ही यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी बैठक की। बैठक में इस बात पर गौर किया गया कि मध्य पूर्व में उभरती स्थिति, बढ़ी हुई सुरक्षा जांच और यूरोप में रात में उड़ान भरने पर प्रतिबंध के कारण एयर इंडिया को विमानों की उपलब्धता में कमी का सामना करना पड़ रहा है।

ईरान-इजरायल संघर्ष से कच्चे तेल में तेजी, 77 डॉलर के पार पहुंचा क्रूड ऑयल

एजेंसी

नई दिल्ली। ईरान-इजरायल के बीच जारी जंग और उसमें अमेरिका के हस्तक्षेप की वजह से मिडिल ईस्ट का तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इस तनाव का प्रत्यक्ष असर क्रूड ऑयल (कच्चे तेल) की कीमत में आई तेजी के रूप में देखा जा सकता है। मिडिल ईस्ट के तनाव की वजह से कच्चा तेल आज 77 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को भी पार कर गया। भारतीय समय के हिसाब से शाम 5 बजे ब्रेंट क्रूड 77.77 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 76 डॉलर के स्तर को पार करके 76.38 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंचा हुआ था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी का असर घरेलू बाजार में भी नजर आ रहा है। आज मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर कच्चा तेल 6,450 रुपये प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया। एमसीएक्स पर आज कच्चा तेल 26 रुपये की बढ़त के साथ 6,360 रुपये प्रति बैरल के स्तर पर खुला। थोड़ी ही देर बाद इसकी कीमत बढ़ाकर 6,467 रुपये प्रति बैरल के उच्चतम स्तर तक पहुंच गई। हालांकि बाद में इसकी कीमत में मामूली गिरावट भी आई। कमोडिटी मार्केट के एक्सपर्ट्स का कहना है कि ईरान-इजरायल संघर्ष के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल की सप्लाई में कमी आने की आशंका बन गई है। खासकर, अमेरिका ने जिस तरह से ईरान को सरेंडर करने की चेतावनी देकर दी है, उससे इस बात की आशंका भी बन गई है कि अमेरिका की ओर से भी ईरान पर हमला किया जा सकता है। दावा किया जा रहा है कि अमेरिका ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश कर सकता है। खुराना सिक्योरिटीज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ रवि चंदर खुराना का कहना है कि मिडिल ईस्ट के तनाव ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल की कीमत पर तो दबाव बनाया ही है, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती नहीं करने के फैसले से भी कच्चे तेल की कीमत को सपोर्ट मिला है। अमेरिका में कच्चे तेल की इन्वेंटरी घटना की वजह से भी कीमत में तेजी आई है। इसके कारण ब्रेंट क्रूड और डब्ल्यूटीआई क्रूड के बीच का अंतर भी कम हो गया है। अभी ये अंतर एक से दो डॉलर प्रति बैरल का रह गया है।

स्टॉक मार्केट में सीमेंस एनर्जी की जोरदार एंट्री, पहले दिन ही निवेशकों को जबरदस्त मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। डीमर्जर के जरिए सीमेंस लिमिटेड से अलग होने वाली उसकी पावर ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी सीमेंस एनर्जी इंडिया लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री की। इसी साल 7 अप्रैल को हुए डीमर्जर के दिन सीमेंस एनर्जी इंडिया लिमिटेड के शेयर का भाव 2,350 रुपये था। आज बीएसई पर इसकी एंट्री 2,850 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी एंट्री 2,840 रुपए के स्तर पर हुई। स्टॉक मार्केट में एंट्री करने के बाद शुरुआती कारोबार में ही कंपनी के शेयर उछल कर 2,982 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। हालांकि कुछ देर बाद मुनाफा वसूली के चक्कर में हुई बिकवाली की वजह से कंपनी के शेयर के भाव में गिरावट भी आई। दोपहर 12 बजे तक का कारोबार होने के बाद सीमेंस एनर्जी के शेयर 2,815.10 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक कंपनी के निवेशकों को 13.59 प्रतिशत का फायदा हो चुका है। दावा किया जा रहा है कि सीमेंस एनर्जी इंडिया लिमिटेड अपनी मजबूत स्थिति के कारण आने वाले दिनों में देश की प्रमुख ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन इक्विपमेंट कंपनी बन सकती है। जानकारों का कहना है कि कंपनी के पास पहले से मौजूद ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन से संबंधित वर्क आर्डर और संचालनगत कुशलता की वजह से 2026-27 तक सीमेंस एनर्जी इंडिया लिमिटेड का ईपीएस (अर्निंग पर शेयर) 40 प्रतिशत से अधिक की वार्षिक चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ सकता है।

वॉलमार्ट अगले तीन साल में वृद्धि कार्यक्रम के तहत 1 लाख एमएसएमई को जोड़ेगा

एजेंसी

नई दिल्ली।अमेरिकी खुदरा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी वॉलमार्ट ने भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को बढ़ावा देने के लिए बड़ा ऐलान किया है। कंपनी अगले तीन वर्षों में एक लाख नए एमएसएमई को अपने 'वॉलमार्ट 'वृद्धि' प्रोग्राम से जोड़ेगी। इस योजना के जरिए इन कारोबारियों को डिजिटल ट्रेनिंग, एक्सपोर्ट के मौके और फ्लिपकार्ट जैसे प्लेटफॉर्म पर अपने प्रोडक्ट्स बेचने का अवसर मिलेगा। एमएसएमई राज्यमंत्री शोभा करंदलाजे की उपस्थिति में वॉलमार्ट के आपूर्तिकर्ता विकास (सोर्सिंग) के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जेसन फ्रेमस्टेड ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में आयोजित वॉलमार्ट वृद्धि एमएसएमई शिखर सम्मेलन 2025 में इसकी घोषणा की। फ्रेमस्टेड ने कहा, हमने अगले तीन वर्षों में अतिरिक्त एक लाख एमएसएमई को सशक्त बनाने के लिए आइडियाज टू इम्पैक्ट फाउंडेशन के साथ साझेदारी की है। उन्होंने बताया कि भारत में वॉलमार्ट को फ्लिपकार्ट के ई-कॉमर्स नेटवर्क के साथ जोड़ा गया है। इस बार वृद्धि कार्यक्रम को एनजीओ आइडियाज टू इम्पैक्ट (आई2आई) फाउंडेशन का समर्थन प्राप्त है। वॉलमार्ट के सप्लायर डेवलपमेंट प्रोग्राम वॉलमार्ट वृद्धि ने अगले तीन वर्षों में भारत में एक लाख अतिरिक्त एमएसएमई को सशक्त करने के लिए आइडियाज टु इम्पैक्ट (आई2आई) फाउंडेशन के साथ साझेदारी की है। जेसन फ्रेमस्टेड ने बताया कि ग्लोबल सप्लाई चेन में वॉलमार्ट की विशेषज्ञता की ताकत और भारत में फ्लिपकार्ट की ई-कॉमर्स क्षमताओं को साथ लाते हुए शुरू किया गया। वॉलमार्ट वृद्धि प्रोग्राम ज्यादा से ज्यादा एमएसएमई को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में पहुंच बढ़ाने में मदद करेगा। उन्होंने बताया कि 2019 में अपनी लॉन्चिंग के बाद से वॉलमार्ट वृद्धि ने अब तक 70,000 से अधिक एमएसएमई को डिजिटल कॉमर्स तक पहुंच एवं पर्सनलाइज्ड मेंटरशिप प्रदान करते हुए और रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से प्रशिक्षित किया है। वॉलमार्ट के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, सप्लायर डेवलपमेंट जेसन फ्रेमस्टेड ने कहा, 'हम भारत के वाइब्रेंट इनोवेशन इकोसिस्टम और यहां के एमएसएमई की विकास की क्षमता से लगातार प्रेरित होते हैं। कई सूक्ष्म उद्यमों को विकास के लिए जरूरी जानकारी, टूल्स एवं बाजार तक पहुंच के मामले में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। प्रोग्राम के जरिये महत्वपूर्ण बिजनेस स्किल एवं बाजार तक पहुंच के माध्यम से सशक्तीकरण ने इन उद्यमियों को अपने कारोबार को सतत तरीके से आगे बढ़ाने और भारत के आर्थिक विकास में योगदान देने में सक्षम बनने में मदद की है।' फ्लिपकार्ट ग्रुप के एसवीपी एवं चीफ कॉरपोरेट अफेयर्स ऑफिसर रजनीश कुमार ने कहा, 'फ्लिपकार्ट में डिजिटल कॉमर्स तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाते हुए और विकास के व्यापक अवसर प्रदान कराते हुए एमएसएमई को सशक्त करना हमारी अथक प्रतिबद्धता है। वॉलमार्ट वृद्धि जैसे रणनीतिक गठजोड़ के माध्यम से हम साथ मिलकर उद्यमियों को उनकी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने और भारत की डिजिटल इकोनॉमी में योगदान देने में सक्षम बना रहे हैं।' उल्लेखनीय है कि वॉलमार्ट वृद्धि प्रोग्राम में हिस्सा लेने के लिए अब एमएसएमई https://www.walmartvriddhi.org/ पर रजिस्टर कर सकते हैं। वॉलमार्ट मार्केटप्लेस के माध्यम से अमेरिका में बिक्री की इच्छा रखने वाले सेलर्स इस लिंक के माध्यम से रजिस्टर कर सकते हैं- https://www.walmartvriddhi.org/marketplace उद्यमियों के लिए जानकारियों को और सरल बनाने के लिए वॉलमार्ट वृद्धि वेबसाइट में अब एक कंसोलिडेटेड रिसोर्स प्लेटफॉर्म भी दिया गया है, जिससे छोटे कारोबारी वॉलमार्ट ग्रुप की कंपनियों व अन्य रिसोर्स की ऑफरिंग्स तक आसानी से पहुंच सकेंगे।

सुविचार

कृष्ण और राधा के बीच का फासला बस उतना ही था जितना धरती और आकाश के बीच होता है, अर्थात्, अदृश्य, लेकिन मौजूद।

ट्वीट

पूरा विश्व 21 जून को एक साथ योग कर रहा है। योग का सीधा-सादा अर्थ होता है - जुड़ना! ये देखना सुखद है कि कैसे योग ने पूरे विश्व को जोड़ा है। मुझे गर्व होता है जब मैं देखता हूं कि हमारे दिव्यांग साथी योगशास्त्र पढ़ते हैं। वैज्ञानिक अंतरिक्ष में योग करते हैं।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सिटी पैलेस में केंद्र सरकार के वस्त्र मंत्रालय एवं राजस्थान सरकार के आयुष विभाग द्वारा आयोजित योग शिविर में भाग लेकर सभी गणमान्यजन के साथ योग किया।

-दीया कुमारी

कहानी

कसूर किसका?

अब तुम बड़ी हो गई हो, दुपट्टा ओढ़ लिया करो, इतनी जोर से क्यों हँसती हो? सब पलट कर देखने लगते हैं, बातें करते समय हाथ ना नचाया करो, भला अच्छे घरों की लड़कियों को ये सब शोभा देता है? शाम को अँधेरा होने से पहले-पहल घर आ जाया करो, याद रखो नजरें हमेशा ही नीची रहें वर्ना... हाँ-हाँ, मैं अभ्यस्त हो चुकी हूँ इन सब हिदायतों की, अब तो यह लगता है कि अगर इन साँकलों से मुझे आजाद कर भी दोगे, तब भी मैं जी नहीं पाऊँगी। क्योंकि मेरा वजूद तो तुमने कभी पनपने ही नहीं दिया।

मैं सदियों से इस जकड़न की आदी हो चुकी हूँ और जाने-अनजाने, मैंने इसे ही अपना ढाल बना लिया है या यूँ समझ लो कि घर की चार दिवारी से बाहर निकलने का यही एकमात्र उपाय था मेरे पास।

किंतु एक बात मैं समझ नहीं पाती, न मैं जोर से हँसती हूँ, न हाथ नचाकर बातें ही करती हूँ फिर भी लोग क्यों मुझे देखते हैं? ढलता हुआ सूरज तो हमेशा मुझे घर के आँगन में ही बैठकर देखना भाता है और तो और दुपट्टा तो बचपन ही से मुझसे लिपट गया था जब इसकी जरूरत भी मेरे तन को महसूस नहीं होती थी। फिर क्यों मौका देखते ही मुझे मसोस दिया जाता है? आए दिन सारे अखबार बलात्कार और कत्ल की घटनाओं से लथपथ रहते हैं।

आखिरकार आज बता ही दो, छह माह की मासूम बच्ची को दुपट्टे की क्या जरूरत है? और तो और अस्सी बरस की महिला के दुपट्टे के भीतर क्या तलाशते हो तुम? क्यों ना कुछेक नियम तुम अपने लिए भी बना लो? कम से कम अपनी आँख में शर्म का पानी ही बचाकर रख लो, जिससे तुम्हें शायद यह याद रह सके कि मैं माँ, बहन और बेटी हूँ उफ्फ... सब भूल जाते हो तुम...।

क्या इस समाज में औरतों को जीने का हक नहीं है? उस लड़की का क्या कसूर था जिसके भीतर पाँच मीटर की रॉड घुसा दी गई? आखिर उस दस माह की बच्ची का क्या कसूर था जिसके अंगों को लोहे के स्केल से छलनी कर दिया गया? कहिए किसका? मैं आप से पूछती हूँ, आप से... आप से... आप से...! अगर इनमें से कोई आप की बेटी होती तब भी क्या आप इसी तरह टी.वी. के सामने मौन बैठे होते? क्या तब भी आप इस घटना को सिर्फ एक खबर की तरह देख रहे होते? उस लड़की का सोचिए जो अब सारी जिंदगी माँ नहीं बन पाएगी... अव्वल तो वह जीवित ही नहीं बच पाएगी अगर बच भी गई तो सारी जिंदगी अस्पतालों के चक्कर काट-काट कर दम तोड़ देगी। तो रहिए न बेखबर और आवाज उठाइए... नीतू ने घबरा कर हथेलियों से अपने दोनों कानों को बंद कर लिया और हिलक-हिलक कर रोने लगी। पूरे कमरे में टी.वी. एंकर की जोशीली ललकार गूँज रही थी।

अचानक किसी काम से विक्रम का आना उस कमरे में हुआ, उसने नीतू को इस हालत में देखा तो घबरा गया। सबसे पहले उसने रीमोट कंट्रोल ढूँढ़कर टी.वी. का वॉल्यूम धीमे किया फिर बिलखती हुई नीतू को आगोश में लेकर ढाँढ़स बँधाने लगा। नीतू कमजोर मन की है यह बात उसे पहले से ही ज्ञात थी, सिनेमा देखते हुए भी किसी इमोशनल सीन पर अक्सर नीतू सुबकने लगती है। विक्रम ने नीतू को चुप कराते हुए कहा कि इस तरह की खबरें वह न देखा करे।

वह नीतू को सांत्वना देने लगा कि देश में होने वाली इस तरह की घटनाओं से हर भारतीय का दिल दहल जाता है, हम सब कहीं न कहीं अपने आप को जिम्मेदार मानने लगते हैं। सबसे ज्यादा तो मन तब द्रवित होता है जब इस लचर कानून व्यवस्था के आगे कुछ न कर पाने की मजबूरी हमको सालती है। हर नागरिक देश की इस बिगड़ती छवि से परेशान है... हर व्यक्ति इंडिया-गेट पर कैंडल-मार्च में हिस्सा लेकर अपने आप को इस मुहीम का हिस्सा समझने लगता है।

खून तो हर नागरिक का खौलता है। कुछ लोग अपने एहसास जज्ब कर लेते हैं तो कुछ नीतू की तरह रिएक्ट करते हैं। विक्रम के सीने से लगी नीतू काफी देर बाद अपने आपे में लौटी। पिछले चार बरसों से नीतू और विक्रम अलग-अलग राज्यों में अप-डाउन कर रहे हैं।

मुंबई विक्रम का ठिकाना बना हुआ है तो नीतू बच्चों की पढ़ाई की खातिर दिल्ली में डेरा जमाकर बैठी है। विक्रम पूरा दिन ऑफिस में रहता है तो उसकी अनुपस्थिति में इन दिनों नीतू उस घर में अकेली रह जाती है। अभी एक सप्ताह ही तो हुआ है उसे मुंबई आए हुए। कहीं घूमना भी नहीं हो पाया था कि बलात्कार की इस निर्मम घटना ने देश को झकझोर कर रख दिया। अंतर्मन को हिला देने वाली इस त्रासदी को मीडिया की इतनी कवरेज मिली कि संसद तक में सरकार को सवाल-जवाब का सामना करना पड़ रहा था। इस खबर ने पूरे देश को एक सूत्र में बाँध दिया था, जागृति की लहर पूरे देश में दौड़ गई थी।

पुराने समय में भी ऐसी परिस्थितियाँ उत्पन्न होती रही होंगी किंतु आम जनता तक इसकी प्रतिक्रिया कहाँ पहुँच पाती थी। दैनिक अखबारों में कहीं छोटा-सा कॉलम भर दिया होता था, अखबार की पहुँच भी तब कितने घरों तक होती थी। आज के इस इलेक्ट्रॉनिक युग में इन चैनलों ने उत्पात मचा रखा है। सबसे तेज... आज तक... अभी-अभी... एक्सक्लुसिव रिपोर्ट के नाम पर घर-घर में हड़कंप मचा रखा है। चैनलों में आपसी होड़ के चलते बस अपनी टी.आर.पी. बढ़ाने की पड़ी रहती है। कौन, कहाँ से और कैसे इन खबरों की कवरेज कर रहा है इसका लेखा-जोखा कौन रखे? सच्चाई दिखाने की मारामारी की एवज में क्रूरता व अश्लीलता का मापदंड भला कौन तय करे? जिस पर बीतती है वह व्यक्ति तो शर्मिंदा होता ही है पीड़ित को तो पग-पग पर समाज की प्रश्नवाचक दृष्टि का सामना करना ही पड़ता है परंतु घरों में बैठकर खबरें देखने-सुनने वाले भी द्रवित हुए बिना नहीं रह पाते।

नीतू एक भावुक स्त्री ठहरी उस पर भी एक माँ, वह भी एक जवान लड़की की। ऐसी भयानक खबरों से उसका दिल दहल उठता है, अपनी बेटी की सुरक्षा के प्रति उसका यूँ चिंतित हो उठना स्वाभाविक है। जब इस तरह के घृणित अपराधों के बाद टी.वी. पर बहसों का दौर चलता है तो कहीं कोई बाबा आकर कहता है कि बलात्कार से बचने के लिए उस पीड़ित लड़की को अपने बचाव में उन बलात्कारियों से हाथ जोड़कर ये कहना चाहिए था कि भैया मुझे छोड़ दो... और इस तरह वह अपनी लाज बचा सकती थी साथ ही उन लड़कों को भी अपराधी बनने से रोक सकती थी। हर कदम पर जिम्मेदारी सिर्फ स्त्री की ही है? नीतू गुस्से से लाल-पीली हो उठती है।

कहीं कोई समाज का ठेकेदार आकर कहता है कि लड़कियों को अपने वस्त्रों का चुनाव ठीक से करना चाहिए, आधुनिक वस्त्र लड़कों को आमंत्रित करते हैं। नीतू सोच में पड़ जाती है कि वह तो साड़ी पहन कर ऑफिस जाती है फिर भी उसे गाहे-बगाहे सहकर्मियों की नजरें यहाँ-वहाँ से शरीर को परखती दिख ही जाती हैं। अब इन बाबाओं, समाज के ठेकेदारों और स्वयंभू मसीहाओं को कौन समझाएँ कि कालिख तो देखने वालों की आँखों में पड़ी है, उसे साफ करने की जरूरत है। संस्कारों पर आ पड़ी धूल पोंछने की जरूरत है, समाज की भलाई चाहते हो तो बेहतर रहेगा जो तुम लोग मिलकर अंतर्मन की गंदगी हटाने का प्रयास करो।

विक्रम हमेशा नीतू से इसी बहस में उलझता रहता है कि वह अखबार या टी.वी में सिर्फ मार्मिक खबरों पर ही नजर रखती है। नीतू का कहना है कि एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते उनका फर्ज बनता है कि वह अगर कुछ कर न पाएँ तो कम से कम उन्हें अपने विचारों में सजगता तो बनाए रखनी चाहिए।

कल ही की बात है बंगाल में एक सत्तर वर्षीय नन के साथ कुकर्म की खबर थी और गुजरात में एक छह वर्षीय बच्ची को बुरी तरह से जख्मी कर दिया गया था। कैसे संभव है कि नीतू रिएक्ट भी न करे? ऐसे अधिकतर मौकों पर विक्रम को ही चुप्पी साधनी पड़ती है क्योंकि इस तरह की घटनाओं से वह खुद भी अपनी अंतरात्मा को अक्सर घायल पाता है। नीतू को इस मनःस्थिति से निकालने के लिए विक्रम ने रविवार को सारा दिन उसके साथ घूमने का प्लान बनाया। नीतू कई दिनों से एलिफेंटा केव्स देखना चाह रही थी। उस रोज छुट्टी होने की वजह से भीड़ कुछ ज्यादा ही थी। मुंबई में पर्यटकों की इतनी अधिक तादाद रहती है कि रेलवे स्टेशन, बाजार, बीच, गार्डन्स या फिर कोई मॉल हर तरफ लोगों का एक रेला-सा चलता रहता है। नीतू अपने-आप को इस भीड़ में पिछड़ता हुआ महसूस करती है। यहाँ हर कोई उसे दौड़ता हुआ प्रतीत होता है, इस तरह की आपाधापी जीवन से ही आगे निकल जाने की है? सबसे आगे निकल जाने की है? या खुद से आगे निकल जाने की? ...जिंदगी से कदमताल मिले न मिले हर कोई बस वक्त से आगे निकल जाने की होड़ में दिखाई देता है।

विक्रम को तो अब इस मुंबई लाइफ की आदत हो चली है। रोज ऑफिस आते-जाते समय उसे भी तो इसी भीड़ का हिस्सा बनना पड़ता है। तभी तो एक धक्के के साथ वह नीतू का हाथ पकड़कर फेरी-बोट में चढ़ आया, नीतू तो अपनी साड़ी सँभालते-सँभालते उसके पीछे किसी तरह बस घिसटती चली आई थी। लगभग आधा घंटे के सफर के दौरान वे दोनों लहरों की तरगें और बोट पर मँडराते पंछियों के कलरव का आनंद उठाते रहे। बोट के बाद टॉय-ट्रेन की सवारी से एलिफेंटा केव्स तक केवल पंद्रह मिनट ही लगते हैं। इस भयंकर गरमी में भी लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। बंदरों को कोल्ड्रिंक पीते देख वक्त के बदलने का आभास होता है किंतु मनुष्यों में अब भी अपने इन पूर्वजों की कई आदतें बाकी बची दिखाई देती है जब वे नियमों को तोड़ कर इस एतिहासिक धरोहरों में यहाँ-वहाँ मूतते-थूकते दिखाई देते हैं। विक्रम और नीतू थककर एक जगह विश्राम करने बैठ जाते है। लड़कियों की कई टोलियाँ आई हुई हैं, कुछ लड़कियाँ मूर्तियों के साथ उन्हीं की तरह से पोज बनाकर फोटो खिंचवा रही है तो कुछ पाउट बनाकर सेल्फी ले रही हैं। विक्रम व नीतू उन्हें देखकर मुस्कुरा उठते हैं। रंग-बिरंगे परिधानों में सजी ये लड़कियाँ जैसे कोई तितलियाँ हों जो अपने रंगीन पंख फैलाए इन हवाओं पर सवार होकर यहाँ आ पहुँची थी। चहक-चहक कर सारा वातावरण खुशनुमा बना रही थीं, उनकी खिलखिलाहट सुनकर तो लग रहा था जैसे इन गुफाओं में सदियों से मौन खड़ी ये मूर्तियाँ भी बोल पड़ेगी...। कुछ हैट खरीद रहीं थीं, कुछ चाट खा रही थीं, तो कुछ खुलकर ठहाके लगा रही थीं। अपने अलमस्त अंदाज से सबको अपने साथ हँसने-मुस्कुराने के लिए मजबूर करती-सी ये लड़कियाँ, संसार से अलहदा अपनी ही दुनिया में खुश व मग्न थीं।

कुछ दीवाने लड़कों की टोलियाँ भी थीं जो हर जगह इन लड़कियों का पीछा करती फिर रही थीं। उन लड़कों का गुफा-भ्रमण इन लड़कियों की उपस्थिति से सार्थक हो उठा था उनका रविवार सफल सिद्ध हो रहा था... उन्हें न तो किसी मूर्ति पर अंकित उनके निर्माण काल से मतलब था न इतिहास से गुजरकर वर्तमान तक आते-आते के उनके इस बिगड़े स्वरूप पर ही कोई रंज। अगली गुफा की ओर जाने के लिए विक्रम की बाँहों का सहारा लेकर खड़ी होते हुए नीतू बड़बड़ा उठती है पुरुष न जाने कब अपने वजूद को एन्जॉय करना सीखेगा?, देखो कितनी सरलता से ये हाईजैक हो जाते हैं। अस्थायी संग-साथ के क्षणिक सुख हेतु ये लड़के किस तरह अपना मानसिक संतुलन खो बैठते हैं, इस उम्र में विपरीत आकर्षण का साथ मिलते ही नसों में उन्माद बहने लगता है... क्षणिक आभासी सुख की लालसा में बहकाव की नदी अपने बाँध तोड़कर बहना चाहती है।

विक्रम पूछता है इसमें किसका कसूर है नीतू? ज्यादातर यह माना जाता है कि पुरुष को उकसाने के पीछे कोई न कोई प्रेरक तत्व निहित होता ही है, लड़कियों का पहनावा, सजना-सँवरना, ये सब अस्थायी आकर्षण की श्रेणी में आतें हैं। नीतू ने एक गहरी साँस खींचते हुए जवाब दिया विज्ञान की दृष्टि से देखा जाए तो किशोरावस्था से यौवन में कदम रखने के साथ ही मनुष्य मात्र में यौनाकांक्षा जन्म लेती है जो किसी के द्वारा उकसाए बिना ही स्वयं को संतुष्ट करने के लिए बेचैन रहती है और लड़कियों की अपेक्षा लड़कों में यह भावना बलवती होती है, उनके मन में मुख्य भाव खुद को संतुष्ट करने का होता है, जाहिर है इसके लिए उन्हें एक स्त्री शरीर की दरकार होती है। लड़कियों के कपड़ों पर आक्षेप करना उचित नहीं। आधुनिक लिबास, जिसमें से लड़कियों का शरीर नजर आए, क्षणिक आवेश उत्पन्न जरूर करता है लेकिन पुरुष यौनाकांक्षा को जगाता नहीं हैं क्योंकि वह तो स्वयं जागृत रहती है। जो इच्छा पहले से ही मौजूद हो उसे उत्पन्न कैसे किया जा सकता है?

विक्रम ने नीतू की बातों पर सहमति जताते हुए कहा - हाँ... हाँ... यह तो एक प्राकृतिक भूख है जो पूरी न होने की स्थिति में विकृत होकर कभी-कभी बलात्कार जैसे जघन्य अपराध का कारण भी बन जाती है। नीतू ने अपनी सोच पर एक अंतिम स्टेटमेंट रखते हुए कहा माना कि यह एक प्राकृतिक भूख है लेकिन प्राकृतिक भूख में भी सभ्य लोग सभ्य तरीके से खाना पसंद करते हैं और असभ्य लोग अपना पेट भरने के लिए कहीं भी मुँह मार लेते है। दरअसल हमारे समाज में लड़कियों से ज्यादा लड़कों को सभ्यता के संस्कार मिलने जरूरी हैं सो तो है विक्रम ने कहा और हँसकर पेट पर हाथ फिराता हुआ बोला फिलहाल इस भूख का कुछ करते हैं।

अंतिम फेरी-बोट से पहले अपने साथ लाए पैक्ड-लंच को खाने के बाद विक्रम ने एक लंबी डकार ली और नीतू की और कृतज्ञता भरी नजरों से देखा जैसे इस लजीज खाने के बदले अपनी अन्नपूर्णा को मौन धन्यवाद दे रहा हो। वापसी में फेरी के ऊपरी फ्लोर पर बीचो-बीच रखे सोफों में से दो पर उन्हें बैठने का स्थान मिल गया था, बाकी बचे सोफों पर वह पर्यटक लड़कियों की टोली दिन भर की थकन के बाद अधलेटी पड़ी थी।

लहरें दिनभर के उफान के बाद अपनी थकान उतार रही थी, वे अब भी बोट से टकरा तो रहीं थी किंतु जैसे किसी ठहराव के दर पर जाकर रुकने के इंतजार में भटकती हुई इधर-उधर हिचकोले खा रही थी। पक्षियों की कलरव में सुबह वाली चंचलता नदारद थी, उनकी यायावरी में एक सुकून भरे ठिकाने को खोजने की उत्सुकता अधिक नजर आ रही थी। वे सभी अपने पंखों को आराम से फैलाकर सो जाने की चाह में सूरज के छिपने से पहले बोट पर बँधी रस्सियों, टायरों और लोहे के बड़े-बड़े खंभों पर लौटकर पनाह ले रहे थे।

विक्रम ने नीतू के उनींदे चेहरे को देखा जहाँ थकावट के चिह्न स्पष्ट नजर आ रहे थे। वह अपने पास बैठी उस सुबह वाली पर्यटक लड़की को बड़े गौर से देख रही थी जो उस वक्त बरमूडे के बाहर निकली अपनी खुली हुई जाँघों पर सनक्रीम मल रही थी और अपनी सहेलियों को अपने पैरों की सूखी हो आई त्वचा दिखा-दिखा कर हँस रही थी, यूँ लग रहा था जैसे वह कुछ ही दूर बैठे लड़कों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने के लिए ऐसा कर रही हो, लड़कों का यही ग्रुप दिन भर इन लड़कियों के इर्द-गिर्द मँडराता रहा था।

उस लड़की की एक सहेली ने इठलाते हुए उससे पुछा डू यू वीअर सच ड्रेसेज एट होम? इस प्रश्न के जवाब में उस बरमूडे वाली लड़की ने बिदक कर कहा था नो वे ...माय फादर वुड किल मी यू नो? एंड इफ माय नानी वुड हेव सीन मी लाइक दिस... वे बेक इन विलेज ...शी वुड डाई ऑफ शॉक। कुछ ही दूर बैठा एक लड़का मोबाइल से उसकी वीडियो रील उतार रहा था। नीतू के इशारे पर उस लड़की ने अपनी जाँघों को ढकने की नाकामयाब कोशिश की, सुबह ही खरीदे गए बाँस के तिनकों से बुना हैट जरा अड़ियल किस्म का निकला उसने लड़की की कोई मदद नहीं की। वह लड़के की तरफ देखकर लापरवाही से मुस्कुरा दी। असफल प्रयास की झिझक मिटाने की गरज से उसने सामने बैठी नीतू पर हू केयर्स वाला अंदाज फेंका। कुछ देर बाद उसने अपने पर्स में से डेरी-मिल्क की सिल्क-बार निकाली, दिन भर की भयंकर गर्मी झेलती उस सिल्क-बार का पसीना भी छूटने लगा था। नीतू को लगा शायद खिसियाहट में भरकर ही उस लड़की ने अपनी सहेलियों से पुछा था... वुड यू लाइक टू लाइक इट? ...और उत्तर की प्रतीक्षा किए बिना ही वह बड़े मजे से उस पिघलती हुई चाकलेट को नीचे से ऊपर तक चाटने लगी थी। फेरी-बोट के किनारे तक पहुँचते-पहुँचते नीतू यही उत्तर सोच पाई कि समाज रूपी यह भवन अब शायद नींव तक चरमरा कर रह गया है।

किनारे पर पहुँचने से पहले नीतू ने विक्रम की ओर देखा, जहाँ अब भी वही सवाल ताक रहा था कि कसूर किसका है?

समन्वय

मेरुदण्ड या रीढ़ की हड्डी, शरीर का केंद्रीय स्तम्भ है। इस स्तम्भ का लचीलापन ही इसकी शक्ति है। शारीरिक के साथ-साथ मानसिक लचीलापन, जीवन को स्वस्थ रखता है। समन्वय जीवन में अनिवार्य है। मानसिक लचीलापन समन्वय का आधार है। परिजनों या परिचितों से थोड़ी-सी मतभिन्नता होने पर अधिकांश लोगों को लगता है कि वे विपरीत वृत्ति के हैं। उनसे समन्वय नहीं सध सकता। साधने के लिए चाहिए साधना। साधना के अभाव में समन्वय तो अस्तित्व ही नहीं पाता। हर साधना की तरह समन्वय भी समर्पण चाहता है, उदारता चाहता है, भिन्न-भिन्न स्वभाव को समान सम्मान देना चाहता है।

दृष्टि निरपेक्ष है तो सृष्टि में हर कहीं समन्वय है। दूर न जाते हुए स्वयं को देखो। शरीर नश्वर है, आत्मा ईश्वर है। एक हर क्षण मृत्यु की ओर बढ़ता है, दूसरा हर क्षण नये अनुभव से निखरता है। फिर आता है वह क्षण, जब शरीर और आत्मा पृथक हो जाते हैं लेकिन नयी काया में फिर साथ आते हैं। देह व देहातीत के समन्वय पर पार्थ का मार्गदर्शन करते हुए पार्थसारथी ने कहा था,

न जायते म्रियते वा कदाचिन्नायं भूत्वा भविता वा न भूयः।
अजो नित्यः शाश्वतोऽयं पुराणो न हन्यते हन्यमाने शरीरे।।

आत्मा का किसी भी काल में न जन्म होता है और न ही मृत्यु। यह पूर्व न होकर, पुनः न रहनेवाला भी नहीं है। आत्मा अजन्मा, नित्य, शाश्वत और पुरातन है, शरीर के नाश होने पर भी इसका नाश नहीं होता।

सांख्ययोग की मीमांसा का यह योगेश्वर उवाच भी देखिए-

अन्तवन्त इमे देहा नित्यस्योक्ताः शरीरिणः।
अनाशिनोऽप्रमेयस्य तस्माद्युध्यस्व भारत।।

इस नाशरहित, अप्रमेय, नित्य देही आत्मा के ये सब शरीर नाशवान कहे गये हैं। इसलिये हे भारत ! तुम युद्ध करो।

युद्ध का एक अर्थ संघर्ष भी है। संघर्ष अपने आप से, संघर्ष अंतर्निहित समन्वय के दर्शन हेतु।

वासांसि जीर्णानि यथा विहाय नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि।
तथा शरीराणि विहाय जीर्णान्यन्यानि संयाति नवानि देही।।

जैसे मनुष्य जीर्ण वस्त्रों को त्यागकर दूसरे नये वस्त्रों को धारण करता है, वैसे ही देही जीवात्मा द्वारा पुराने शरीरों को त्याग कर दूसरे नये शरीरों को ग्रहण करने की प्रक्रिया होती है। जैसा पहले उल्लेख किया गया है, देह का नाशवान होना, आत्मा का अजन्मा होना, फिर मर्त्यलोक में कुछ समय के लिए दोनों का साथ आना, एक के बिना दूसरे का अस्तित्व ना होना.., समन्वय का ऐसा अनुपम उदाहरण ब्रह्मांड में और कौनसा होगा? सृष्टि समन्वय से जन्मी, समन्वय से चलती, समन्वय पर टिकी है। दृष्टिकोण समन्वित करो, सार्वभौमिक, सार्वकालिक, सार्वजनीन समन्वय दृष्टिगोचर होगा।

बोध कथा

अभागा बुनकर

एक नगर में सोमिलक नाम का जुलाहा रहता था। विविध प्रकार के रंगीन और सुन्दर वस्त्र बनाने के बाद भी उसे भोजन-वस्त्र मात्र से अधिक धन कभी प्राप्त नहीं होता था। अन्य जुलाहे मोटा-सादा कपड़ा बुनते हुए धनी हो गये थे। उन्हें देखकर एक दिन सोमलिक ने अपनी पत्नी से कहा---प्रिये ! देखो, मामूली कपड़ा बुनने वाले जुलाहों ने भी कितना धन-वैभव संचित कर लिया है और मैं इतन सुन्दर, उत्कृष्ट वस्त्र बनाते हुए भी आज तक निर्धन ही हूँ। प्रतीत होता है यह स्थान मेरे लिये भाग्यशाली नहीं है; अतः विदेश जाकर धनोपार्जन करुँगा।

सोमिलक-पत्नी ने कहा---प्रियतम ! विदेश में धनोपार्जन की कल्पना मिथ्या स्वप्न से अधिक नहीं। धन की प्राप्ति होनी हो तो स्वदेश में ही हो जाती है। न होनी हो तो हथेली में आया धन भी नष्ट हो जाता है। अतः यहीं रहकर व्यवसाय करते रहो, भाग्य में लिखा होगा तो यहीं धन की वर्षा हो जायगी।

सोमिलक---भाग्य-अभाग्य की बातें तो कायर लोग करते हैं। लक्ष्मी उद्योगी और पुरुषार्थी शेर-नर को ही प्राप्त होती है। शेर को भी अपने भोजन के लिये उद्यम करना पड़ता है। मैं भी उद्यम करुँगा; विदेश जाकर धन-संचय का यत्न करुँगा। यह कहकर सोमिलक वर्धमानपुर चला गया। वहाँ तीन वर्षों में अपने कौशल से 300 सोने की मुहरें लेकर वह घर की ओर चल दिया। रास्ता लम्बा था। आधे रास्ते में ही दिन ढल गया, शाम हो गई। आस-पास कोई घर नहीं था। एक मोटे वृक्ष की शाखा के ऊपर चढ़कर रात बिताई। सोते-सोते स्वप्न आया कि दो भयंकर आकृति के पुरुष आपस में बात कर रहे हैं। एक ने कहा ----हे पौरुष ! तुझे क्या मालूम नहीं है कि सोमिलक के पास भोजन-वस्त्र से अधिक धन नहीं रह सकता; तब तूने इसे 300 मुहरें क्यों दीं ? दूसरा बोला----हे भाग्य ! मैं तो प्रत्येक पुरुषार्थी को एक बार उसका फल दूंगा ही। उसे उसके पास रहने देना या नहीं रहने देना तेरे अधीन है।

स्वप्न के बाद सोमिलक की नींद खुली तो देखा कि मुहरों का पात्र खाली था। इतने कष्टों से संचित धन के इस तरह लुप्त हो जाने से सोमिलक बड़ा दुःखी हुआ, और सोचने लगा---अपनी पत्नी को कौनसा मुख दिखाऊँगा, मित्र क्या कहेंगे ? यह सोचकर वह फिर वर्धमानपुर को ही वापिस आ गया। वहाँ दित-रात घोर परिश्रम करके उसने वर्ष भर में ही 500 मुहरें जमा करलीं। उन्हें लेकर वह घर की ओर जा रहा था कि फिर आधे रास्ते में रात पड़ गई। इस बार वह सोने के लिये ठहरा नहीं; चलता ही गया। किन्तु चलते-चलते ही उसने फिर उन दोनों---पौरुष और भाग्य---को पहले की तरह बात-चीत करते सुना। भाग्य ने फिर वही बात कही कि----हे पौरुष ! क्या तुझे मालूम नहीं कि सोमिलक के पास भोजन वस्त्र से अधिक धन नहीं रह सकता। तब, उसे तूने 500 मुहरें क्यों दीं ? पौरुष ने वही उत्तर दिया ----हे भाग्य ! मैं तो प्रत्येक व्यवसायी को एक बार उसका फल दूंगा ही, इससे आगे तेरे अधीन है कि उसके पास रहने दे या छीन ले। इस बात-चीत के बाद सोमिलक ने जब अपनी मुहरों वाली गठरी देखी तो वह मुहरों से खाली थी।

इस तरह दो बार खाली हाथ होकर सोमिलक का मन बहुत दुःखी हुआ। उसने सोचा----इस धन-हीन जीवन से तो मृत्यु ही अच्छी है। आज इस वृक्ष की टहनी से रस्सी बाँधकर उस पर लटक जाता हूँ और यहीं प्राण दे देता हूँ।

गले में फन्दा लगा, उसे टहनी से बाँध कर जब वह लटकने ही वाला था कि उसे आकाश-वाणी हुई---सौमिलक ! ऐसा दुःसाहस मत कर। मैंने ही तेरा धन चुराया है। तेरे भाग्य में भोजन-वस्त्र मात्र से अधिक धन का उपभोग नहीं लिखा। व्यर्थ के धन-संचय में अपनी शक्तियाँ नष्ट मत कर। घर जाकर सुख से रह। तेरे साहस से तो मैं प्रसन्न हूँ ; तू चाहे तो एक वरदान माँग ले। मैं तेरी इच्छा पूरी करुँगा।

सोमिलक ने कहा ----मुझे वरदान में प्रचुर धन दे दो।

अदृष्ट देवता ने उत्तर दिया----धन का क्या उपयोग ? तेरे भाग्य में उसका उपभोग नहीं है। भोग-रहित धन को लेकर क्या करेगा ?

सोमिलक तो धन का भूखा था, बोला----भोग हो या न हो, मुझे धन ही चाहिये। बिना उपयोग या उपभोग के भी धन कि बड़ी महिमा है। संसार में वही पूज्य माना जाता है, जिसके पास धन का संचय हो। कृपण और अकुलीन भी समाज में आदर पाते हैं।

वीर गाथा

मेजर मैनियो फ्रांसिस: ऐसी रणनीति बनाई कि उग्रवादियों को संभलने का मौका नहीं मिला

मेजर मैनियो फ्रांसिस भारतीय सेना की 21 पैरा (स्पेशल फोर्सेस) के वीर योद्धा हैं, जिन्होंने उग्रवादियों के खिलाफ असाधारण साहस और शौर्य का प्रदर्शन किया था। माता एच साज़ा सुसान और पिता के पुकेहो के बेटे मैनियो का जन्म मणिपुर के सेनापति जिले में स्थित ताडुबी गांव में हुआ था।

मेजर मैनियो असॉल्ट टीम के कमांडर रहे हैं। उन्होंने बहुत कम समय में ही ऐसा खुफिया नेटवर्क बिछा लिया था, जो मणिपुर में मौजूद उग्रवादियों की सूचना देता रहता था। इसकी वजह से सुरक्षा बलों को उग्रवादियों और उनके संगठनों के बारे में कई महत्त्वपूर्ण सूचनाएं मिलीं।चार जनवरी, 2023 को खुफिया सूत्रों ने सूचना दी कि कुछ उग्रवादी एक वीआईपी पर हमले की साजिश रच रहे हैं। सूचना का विश्लेषण करने के बाद मेजर मैनियो ने एक ऑपरेशन की योजना बनाई। उन्होंने लगातार निगरानी के बाद एक 'सीमा स्तंभ' के पास उग्रवादियों पर हमला करना निश्चित किया। अचानक कुछ लोग दिखाई दिए, जिनके पास भारी हथियार थे। वे उस जगह की ओर बढ़ते जा रहे थे। जवानों ने उन्हें चुनौती दी, जिसके जवाब में उन पर गोलीबारी की गई।

अब पता चल चुका था कि ये ही लोग उग्रवादी हैं। मेजर मैनियो ने जवाबी कार्रवाई करते हुए गोलियां चलाईं। उन्होंने जवानों से कहा कि वे तुरंत इन उग्रवादियों को घेर लें। मैनियो की नजर उग्रवादियों के कमांडर पर थी। उन्होंने उसे बच निकलने का मौका ही नहीं दिया।

मेजर मैनियो ने अचूक निशाना लगाते हुए उसे मार गिराया। इसके बाद एक और उग्रवादी को बुरी तरह घायल कर दिया। उन्होंने उग्रवादियों के खिलाफ ऐसी रणनीति बनाई कि उन्हें संभलने का मौका तक नहीं मिला। बाद में पता चला कि वे असम राइफल्स के जवानों पर घात लगाकर किए गए एक हमले के मास्टरमाइंड भी थे।

मेजर मैनियो फ्रांसिस ने शानदार नेतृत्व, अदम्य साहस और बेहतरीन खुफिया नेटवर्क के दम पर देश के दुश्मनों का जिस तरह खात्मा किया, वह प्रशंसनीय है। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

आर.एन.आई (टी.सी) नंबर - JHAHIN01027 स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक डॉ. सिकंदर कुमार द्वारा माँ भवानी आर्ट भागलपुर रोड नीयर सिनेमा हॉल दुधानी दुमका से मुद्रित एवं झारखंड देखो कार्यालय मजिस्ट्रैट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से प्रकाशित प्रधान संपादक डॉ. सिकंदर कुमार (मो. नं. 9955599136) (इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

ज्योतिष विज्ञान के अनुसार शनि की टेढ़ी नजर यानि वक्र दृष्टि हर व्यक्ति के जीवन में हलचल मचाती है। सूर्य पुत्र शनि देव का नाम सुनकर लोग सहम से जाते हैं। शनि की टेढ़ी चाल से किसे डर नहीं लगता, उनके क्रोध से मनुष्य तो क्या देवता भी थर-थर कांपते हैं, यहां तक की भगवान श्री गणेश पर दृष्टि पड़ते ही उनका सिर कट गया।

शनिदेव की दृष्टि से क्यों कांपते हैं

मनुष्य व देवता

शनि एक पाप ग्रह माना जाता है। शनि की वक्र दृष्टि से अच्छे-भले मनुष्य का नाश हो जाता है। ज्योतिष विज्ञान के अनुसार शनि की टेढ़ी नजर यानि वक्र दृष्टि हर व्यक्ति के जीवन में हलचल मचाती है। सूर्य पुत्र शनि देव का नाम सुनकर लोग सहम से जाते हैं। शनि की टेढ़ी चाल से किसे डर नहीं लगता, उनके क्रोध से मनुष्य तो क्या देवता भी थर-थर कांपते हैं, यहां तक की भगवान श्री गणेश पर दृष्टि पड़ते ही उनका सिर कट गया। जानें आगे क्या हुआ

सनातन धर्म में शास्त्रों के अनुसार भगवान श्री गणेश को भगवान श्री कृष्ण चन्द्र का ही अवतार माना गया है। ब्रहमवैवर्त पुराण के अनुसार पुत्र प्राप्त करने की चाह से मां पार्वती ने भगवान श्री कृष्ण चन्द्र जी का ध्यान किया। अपने भक्त की पुकार सुन कर भगवान श्री कृष्ण चन्द्र जी ने वृद्ध ब्राह्मण का रूप धारण कर माता पार्वती को बताया कि वह गणेश रूप में उनके पुत्र बनकर अवतरित होंगे। इस घटना के उपरांत मनमोहनी छवी का बालक मां पार्वती जी के समक्ष अवतरित हुआ। उस बालक के मुख मंडल पर इतना तेज था कि उसके आकर्षण में बंध कर समस्त देवी-देवता और ऋषि-मुनि बालक के दर्शनों हेतू आ गए। जब शनिदेव को ज्ञात हुआ की सभी देवी-देवता और ऋषि-मुनि मनमोहनी छवी के बालक के दर्शन करने गए हैं तो वो भी श्री गणेश के दर्शनों के अभिलाषी बन कर कैलाश पर्वत पर पंहुच गए।

वे खुशी-खुशी कैलाश पर्वत पर पंहुच तो गए मगर उन्होंने बालक गणेश के दर्शन नहीं किए क्योंकि शनिदेव को उनकी पत्नी का शाप था कि उनकी दृष्टि सदैव नीची ही रहेगी, जिस पर उनकी दृष्टि पड़ेगी उसका सिर कट जाएगा। इस भय से की उनके दर्शन करने से बालक का कोई अहित न हो जाए वह आंखे फेरे खड़े रहे।

माता पार्वती को बहुत आश्चर्य हुआ की सभी देवी-देवता और ऋषि-मुनि उनके पुत्र की मनमोहनी छवी को निहार रहे हैं वहीं शनि देव नजरे नीचे किए उनके पुत्र से दूरी क्यों बनाए हुए हैं। उन्होंने शनिदेव को अपने समीप बुलाया और कहा, '' शनिदेव सभी देवी-देवताओं और ऋषि-मुनियों ने मेरे पुत्र के दर्शन कर लिए हैं बस आप ही रह गए हैं। लिजिए गोद में उठा लें बालक को।''

शनिदेव बोले, '' माफ करें माता मैं चाह कर भी इस मनमोहने बालक को अपनी गोद में उठा नहीं सकता और न ही इस पर अपनी दृष्टि डाल सकता हूं।''

माता पार्वती हैरानी से शनि देव की ओर देखने लगी। शनिदेव ने उन्हें अपनी पत्नी द्वारा दिए गए श्राप की बात बताई। किंतु माता बनने का सौभाग्य पाकर माता पार्वती बहुत हर्षित थी। उन्होंने शनिदेव की एक न सुनी और बालक गणेश के दर्शन करने को कहा। माता पार्वती के प्रेमपूर्वक किए गए अग्रह को शनिदेव टाल न सके और उन्होंने बालक पर अपनी दृष्टि डाल दी। शनिदेव के बालक गणेश पर दृष्टि डालते ही उनका सिर कट गया। अपने पुत्र की ऐसी दशा देख माता पार्वती विलाप करने लगी। भगवान श्री हरि विष्णु जल्दी से गए और जाकर एक हाथी के बच्चे का सिर काटकर ले आए और उसे बालक गणेश के सिर पर लगा दिया। उसी दिन से श्री गणेश गजानन कहलाए।

तप का सर्वोत्तम उपाय क्या है ?

परमात्मा की हवा, परमात्मा का पानी, परमात्मा की रोशनी, परमात्मा का खाना, इन चीजों से मनुष्य की शक्ति बनती है। जब मनुष्य मन में यह भावना घर कर लेती है कि मेरी शक्ति से नहीं, उन्हीं की शक्ति से सब कुछ हो रहा है, तब उनमें अनंत शक्ति आ जाती है। परमात्मा की इच्छा से दुनिया की उत्पत्ति हुई है किंतु मनुष्य सोचते हैं कि मेरी कर्मसिद्धि हुई है। कर्मसिद्धि कुछ नहीं हुई है, परमपुरुष की इच्छा की पूर्ति हुई है। वे जैसा चाहते हैं, वैसा हुआ। तुम्हारी ख्वाहिश भी वैसी थी, इसलिए तुम्हारे मन में भावना आई कि मेरी इच्छा की पूर्ति हो गई है। साधक केवल आगे बढ़ेंगे और दुनिया के और व्यक्ति पीछे रह जाएंगे, यह मनोभाव साधक का नहीं है इसलिए कहा जाता है कि साधना का अन्यतम अंग है तप। तप अर्थात अपने स्वार्थ की ओर नहीं ताकना, ताकना है समाज के हित की ओर। सामूहिक कल्याण की भावना जहां है, व्यक्तिगत कल्याण उसमें हो या न हो, उसी का नाम है तप। तप का सर्वोत्तम उपाय क्या है? जनसेवा जो जनसेवा करते हैं, वे सेवा करते वक्त सेवा प्राप्त करने वाले को नारायण समझते हैं, मनुष्य नहीं। इसलिए जनसेवा से आध्यात्मिक उन्नति तो अवश्य ही होती है। इसके अतिरिक्त मन अत्यन्त निर्मल हो जाता है। उस निर्मल मन से मनुष्य जो कुछ भी करेगा, उसी में उनकी जय-जयकार है।

राशिनुसार दीवारों के रंग कैसे हों

अपनी राशि के अनुरूप रंगों का चयन करके आप अपने मकान को पेंट करवा सकते हैं।

मेष - लाल, मेहरून, ईंट जैसा
वृषभ - सफेद, चमकीला, हरा, बादामी
मिथुन - गहरा हरा, गहरा नीला, पीच, फिरोजी
कर्क - चांदी, सफेद, आसमानी, परपल
सिंह - पीले रंग के हर शेड्स, जामुनी, नारंगी
कन्या - गुलाबी, हल्का हरा, रामा ग्रीन, सी ग्रीन
तुला - सफेद, बेबी पिंक, ब्राउन, मरीन ब्लू
वृश्चिक - हल्का लाल, लाइट मेजेंटा, पिकॉक ब्लू
धनु - लाइट येलो, हल्दी जैसा पीला, पीच
मकर - ग्रे, डार्क ऑरेंज, ब्राऊन, लाइट ब्लू
कुंभ - ब्लू के सभी शेड्स, खिलता पिंक, मेटल शेड
मीन - ऑरेंज के सभी शेड्स, हल्का बैंगनी, डार्क बादामी

सपनों में छुपा है जीवन का रहस्य

- शास्त्रों के अनुसार सपने में आकाश में उड़ना, नदी या समुद्र में तैरना, तारों या चंद्रमा का दर्शन, महल या पर्वत की चोटी पर आसीन होना शुभ रहता है।
- सपने में पानी वाली जगह जैसे तालाब पोखर में नहाना, सफेद फूल, दर्पण, देवी-देवता, आभूषण से सुसज्जित स्त्री को देखना सुखकारक होता है।
- यदि आप स्वप्न में स्वयं को मल में लिपटा हुआ पाते हैं या सांप ने आपको काट लिया है, तो इसका मतलब है कि आपको धन की प्राप्ति होगी।
- सपने में आपके सिर पर सांप काट ले, तो आपको बेहतरीन नौकरी, पुराना धन मिलने, विवादित या बरसों से बाधित काम के योग बनते हैं।
- सपने में यदि अपने दांत टूटे दिखें, तो इसका मतलब है कि आप बीमार पड़ने वाले हैं। खाई में गिरना पद-हानि, अथवा पतन का प्रतीक माना जाता है।
- स्वप्न में सिर के केशों का गिरना-भयानक बीमारी, सोने के गहने का टूटना या खोना दुर्घटना का सूचक है। सपने में दूध का जलना भी अशुभ माना जाता है।

कैसे करें नवग्रह को प्रसन्न

ज्योतिष के अनुसार हमारे अंतरिक्ष में फैले सौर मण्डल के 9 ग्रहों का धरती पर स्थित सभी प्राणियों, यहां तक कि जल और पेड़-पौधों पर भी प्रभाव पड़ता है। ज्योतिष गणना के मुताबिक प्रत्येक जातक पर जन्म लग्न, दशा-महादशा, अंतरदशा तथा प्रत्यंतरों का प्रभाव निश्चित पड़ता है। लग्न, जन्मराशि तथा नाम राशि से चौथे, आठवें, बारहवें स्थान की स्थिति का प्रभाव सभी पर पड़ता है। नवग्रहों के दुष्प्रभाव को शांत करने के लिए भी कई उपाय ज्योतिष में बताए गए हैं जिनका विधि-विधान से पालन करें तो अवश्य लाभ मिलता है।

सूर्य शांति के लिए आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें। माता-पिता की सेवा तथा सूर्य को अर्घ्य, जल में रोली तथा लाल पुष्प डालकर देना चाहिए। सोना-तांबा तथा चीनी-गुड़ का दान भी करें। सूर्योदय से पूर्व उठें तथा रविवार का व्रत करें।

ध्यान देने योग्य बातें- नमक का कम उपयोग करें। बुजुर्गों का सम्मान करें। धार्मिक और सामाजिक कार्यों में भाग लें।

चंद्रदेव शांति के लिए नम: शिवाय मंत्र का जप करें। पानी वाला नारियल, सफेद चंदन तथा चांदी का चंद्रमा, विल्बपत्र, सफेद मिष्ठान्न का भगवान शंकर को भोग लगाएं।

ध्यान रखने योग्य बातें- सोमवार का व्रत करें तथा सफेद वस्त्र का दान करें, पहाड़ों की यात्रा करें तथा स्वमाता के चरण छूकर आशीर्वाद प्राप्त करें।

मंगल की शांति के लिए हनुमानजी को चमेली का तेल मिश्रित सिंदूर व शुद्ध घी का चोला चढ़ाएं तथा मंगल स्तोत्र का पाठ करें। इमरती, जलेबी, बूंदी तथा चूरमे का प्रसाद अर्पण करें।

ध्यान रखने योग्य बातें- अपने कुटुंब, सहयोगियों से बैर न रखें। सगे भ्राता को सम्मान दें। मंगलवार का व्रत करें।

बुध ग्रह की शांति के लिए मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करनी चाहिए। हरे मूंग भिगोकर पक्षियों को डालें। पालक या हरा चारा गायों को खिलाएं। पक्षियों विशेषकर तोतों को पिंजरों से स्वतंत्रता दिलाएं।

ध्यान रखने योग्य बातें- नौ वर्ष से छोटी कन्याओं के पाद प्रक्षालन अर्थात पैर धोकर उनको प्रणाम करके आशीर्वाद प्राप्त करें। बुधवार का व्रत रखें। मंत्रानुष्ठान हवन करके बुध की अनुकंपा प्राप्त करें।

बृहस्पति देव गुरु की प्रसन्नता के लिए ब्राह्मणों का सम्मान करके उनका आशीर्वाद प्राप्त करें। चने की दाल तथा केशर का मंदिर में दान करें, केशर का तिलक मस्तक पर लगाएं एवं ज्ञानवर्द्धक पुस्तकों का योग्य व्यक्तियों को दान करें।

ध्यान रखने वाली बातें- किन्नरों की सेवा करें। भगवान ब्रह्मा का केले से पूजन करें तथा कुल पुरोहित का सम्मान करके आशीर्वाद प्राप्त करें एवं यथाशक्ति स्वर्ण का दान करें।

शुक्र ग्रह की शांति के लिए कनकधारा महालक्ष्मी का दैनिक पाठ करें। श्वेत और स्वच्छ वस्त्र पहनने चाहिए। गो की सेवा तथा गोशाला में गुड़, हरा चारा, चने की दाल गायों को खिलाएं। विशेष रूप से श्रीविद्या का पूजन कराएं। एकाक्षी ब्राह्मण को कांसे के कटोरे में खीर खिलाकर दक्षिणा देकर आशीर्वाद प्राप्त करें। विशेष परिस्थिति में रोग हो तो मृत संजीवनी का मंत्र जप कराएं।

ध्यान रखने योग्य बातें- अपनी पत्नी का सम्मान करना चाहिए। संयम से रहें। व्यसनों से बचें।

शनि ग्रह की शांति के लिए पीपल वृक्ष तथा भैरव का पूजन करें। इमरती, उड़द की दाल, दही बड़े भैरवजी को चढ़ाएं व प्रसाद में बांटें। श्री हनुमान चालीसा तथा सुंदरकांड का नियमित पाठ करें।

ध्यान रखने योग्य बातें- मजदूरों को तली हुई खाद्य वस्तुओं का दान करें। शनिवार का व्रत करें। पिता के संबंधियों से अच्छे मधुर संबंध बनाए रखें। शनिवार को तिल के तेल का शनि पर अभिषेक करें।

राहु की शांति के लिए मां सरस्वती का पाठ-पूजन करना चाहिए, घर पर बने शुद्ध शाकाहारी भोजन का ही सेवन करें।

ध्यान रखने योग्य बातें- किसी भी प्रकार का बिजली का सामान इकट्ठा न होने दें तथा बिजली का सामान मुफ्त में न लें। मातृपक्ष के संबंधियों की सेवा करें और अश्लील साहित्य या फिल्में न देखें।

केतु ग्रह की शांति के लिए गणेशजी की पूजा-अर्चना करें। बच्चों को केले खिलाएं और किसी भी धर्मस्थल पर ध्वजा चढ़ाएं।

ध्यान रखने योग्य बातें- कुत्तों को तेल चुपड़ी रोटी खिलाएं। कुत्तों को चोट कदापि न पहुंचाएं।

मनुष्य के पापों को कैसे धोती हैं

गंगा, यमुना और सरस्वती

अनेक धार्मिक स्थानों पर लोग अपनी-अपनी इच्छाओं और मन्नतों की पूर्ति के लिए जाते हैं। इन स्थानों पर आकर ही समझ में आता है कि मनुष्य कितना कमजोर और निःसहाय है। इसमें कोई शक नहीं है कि यहां आकर अच्छे-अच्छों के सिर झुक जाते हैं। नास्तिक भी स्वीकार करेंगे कि यहां पर मनुष्य के अहम् की समाप्ति होती है।

यहां आदमी सेवा, त्याग, दान, चिंतन वह सब कुछ करने को तैयार हो जाता है, करता भी है, जो वह अमूमन अपने घर में नहीं करता। तो क्या यह डर है? बहुत हद तक। मगर इन सब में प्रमुख यह है कि यहां भी भक्त कहीं न कहीं स्वार्थी ही सिद्ध होती है। तभी तो वह अपने लिए विभिन्न सुख की कामना और दुःख के निवारण की प्रार्थना करता है और अधिक हुआ तो अपने परिवार के सदस्यों की सुख-समृद्धि के लिए पूजा-अर्चना करता है। दक्षिण चन्द्रभागा के तट पर श्री विट्ठल भगवान के मंदिर के पास ही प्रायः पांच सौ गज दूरी पर पुण्डरीक का मंदिर है और इस धार्मिक स्थान का बड़ा महात्मय है क्योंकि यह ऐसे माता-पिता के भक्त हुए हैं जिन्होंने उनकी सेवा में अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया था यहां तक की भगवान जब उन्हें दर्शन देने आए तो जानें आगे क्या हुआ.

यह पुण्डरीक पहले माता-पिता के भक्त नहीं थे। एक बार वह पत्नी सहित काशी गए और वहां उन्होंने काशी से तीन कोस दूर मातृ-पितृ भक्त महात्मा कुक्कुट के आश्रम में गंगा, यमुना और सरस्वती को उनकी सेवा करते देखा। पुण्डरीक जब उनके चरण स्पर्श करने को आगे बड़े तो वे यह कह कर दूर हट गई की तुम पापी हो, हमें छुना मत। पुण्डरीक के बहुत अनुनय विनय करने पर गंगा, यमुना और सरस्वती ने बताया कि तुम जैसे पापी मनुष्य हम में स्नान करके जो पाप राशि छोड़ जाते हैं उस पाप राशि को धोकर विशुद्ध करने और पुण्य अर्जित करने के लिए महान पुरूषों के आश्रम में आकर उनकी सेवा करती हैं। यह सुनकर पुण्डरीक ने उनसे अपने उद्धार का उपाय पूछा। उन्होंने कुक्कुट ऋषि के पास जाकर उनसे पूछने को कहा। तदनुसार पुण्डरीक ने कुक्कुट ऋषि के पास जाकर अपनी कथा सुनाई और उद्धार का उपाय पूछा। इस पर परम मातृ-पितृ भक्त कुक्कुट ऋषि ने कहा की पुण्डरीक, तू बड़ा मूर्ख है जो माता-पिता की सेवा को छोड़कर यहां काशी तीर्थ के लिए आया है। तुझे यहां क्या फल मिलेगा? माता-पिता की सेवा काशी यात्रा से कहीं अधिक श्रेष्ठ है। जा, यहां से और माता-पिता की सेवा कर। कुक्कुट ऋषि के वचन सुन कर पुण्डरीक वहां से लौट आए और पूर्ण श्रद्धा व प्रेम से माता-पिता की सेवा करने लगे। वे फिर माता-पिता के साथ पण्ढरी में आकर रहने लगे। उनकी मातृ-पितृ भक्ती से प्रसन्न होकर एक दिन उन्हें दर्शन देने के लिए स्वयं भगवान पधारे। उस समय पुण्डरीक अपने माता-पिता की सेवा में व्यस्त थे। उन्होंने भगवान को उचित आदर सत्कार देने की अपेक्षा माता-पिता की सेवा को श्रेष्ठ समझा और भगवान की अपेक्षा न हो इसलिए भगवान की ओर एक ईंट बढ़ा कर प्रार्थना की कि आप इस ईंट पर खड़े रहें। भगवान भक्त वत्सल हैं अर्थात अपने भक्तों के अधीन रहते हैं और भक्त भगवान को अपने प्रेम के वश में करके मनचाही करवा लेते हैं। अतः भगवान भक्त के अग्रह पर उस ईंट पर खड़े हो गए। पुण्डरीक माता-पिता की सेवा से निवृत होकर उसी ईंट के समीप गए और हाथ जोड़कर भगवान की स्तुती करने लगे। भगवान उसकी स्तुति से खुश हुए और उन्होंने उसे वर मांगने को कहा। पुण्डरीक बोले, मेरी अपने माता-पिता के चरणों में इसी प्रकार सेवा और भक्ति बनी रहो। कृपया करके आप इसी रूप में यहां विराजित हो जाए। पुण्डरीक को तथास्तु! कहकर भगवान पुण्डरीक की इच्छानुसार श्री विग्रह के रूप में ईंट पर ही खड़े हो गए और आज तक उनके श्री विग्रह की पूजा होती है और पुण्डरीक के माता-पिता की समाधि भी उन्हीं के मंदिर के पास विद्यमान है। सारांश यह निकलता है कि केवल माता पिता की सेवा से ही मनुष्य का कल्याण हो सकता है।

शिव पूजा में वर्जित हैं शंखनाद

विश्व के सभी धर्मों में हिन्दू धर्म सबसे पुराना धर्म है। ये वेदों पर आधारित है, यह अपने गर्भ में विभिन्न देवी देवताओं की उपासनाओं, मतों, धार्मिक पंथों, और दर्शनों को समेटे हुए है। हिन्दु धर्म के लोग अपनी-अपनी आस्था के अनुसार अपने इष्ट देव को मानते हैं। मानव मन जिस भी देवी-देवता की लीलाओं से अधिक प्रभावित होता है उसे उस देवता को अपना इष्ट देव बनाना चाहिए और उनका ध्यान करना चाहिए। हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार पांच प्रमुख देवता हैं विष्णु, गणेश, सूर्य, शिव और शक्ति। जो शक्तियों के अलग-अलग रूप हैं। हिन्दू धर्म के इन प्रमुख देवताओं में से भगवान शिव को देवों के देव महादेव कहा जाता हैं। भगवान शिव के 108 नाम हैं। भगवान शिव को सभी विद्याओं का जनक भी माना जाता है। वे तंत्र से लेकर मंत्र तक और योग से लेकर समाधि तक प्रत्येक क्षेत्र के आदि और अंत हैं। यही नहीं वे संगीत के आदि सृजनकर्ता भी हैं, और नटराज के रुप में कलाकारों के आराध्य भी हैं। वास्तव में भगवान शिव देवताओं में सबसे अद्भुत देवता हैं। कोई भी प्रार्थना, पूजा पाठ, आराधना, मंत्र, स्तोत्र और स्तुतियों का फल तभी प्राप्त होता है जब आराधना विधि-विधान और शास्त्रोक्त तरीकों से की जाए। शिव उपासना में शंख का प्रयोग वर्जित माना गया है। पुरातन कथाओं के अनुसार भगवान शिव की पूजा में शंख का प्रयोग नहीं होता। इन्हें शंख से न तो जल अर्पित किया जाता है और न ही शंख बजाया जाता है। आध्यात्मिक ग्रंथों, पौराणिक मतों के अनुसार देवता और दानवों ने अमृत की खोज के लिए मंदराचल पर्वत की मथानी से क्षीरसागर मंथन किया, उससे 14 प्रकार के रत्न प्राप्त हुए। आठवें रत्न के रूप में शंखों का जन्म हुआ। शंख को विजय, समृद्धि, सुख, यश, कीर्ति तथा लक्ष्मी का प्रतीक माना गया है। वैदिक अनुष्ठानों एवं तांत्रिक क्रियाओं में भी विभिन्न प्रकार के शंखों का प्रयोग किया जाता है। पुरातन कथा के अनुसार एक समय श्री राधा रानी गोलोक धाम से कहीं बाहर गई हुई थी। श्री कृष्ण अपनी सखी विरजा के साथ विहार कर रहे थे। संयोगवश उसी समय श्री राधा रानी वहां आ गई। सखी विरजा को अपने प्राण प्रिय श्री कृष्ण के साथ देख कर श्री राधा रानी को बहुत क्रोध आया। क्रोध में उन्होंने कुछ ऐसे शब्दों का प्रयोग किया जिससे विरजा को बहुत लज्जा महसूस हुई। लज्जावश विरजा ने नदी का रूप धारण कर लिया और वह नदी बनकर बहने लगी। श्री राधा रानी के क्रोध भरे शब्दों को सुन कर श्री कृष्ण के मित्र सुदामा को बहुत बुरा लगा उन्हेंने श्री राधा रानी से ऊंचे स्वर में बात की। जिससे क्रोधित श्री राधा रानी ने सुदामा को दानव बनने का श्राप दे दिया।

आवेश में आए सुदामा ने भी हित-अहित का विचार किए बिना श्री राधा रानी को मनुष्य योनि में जन्म लेने का श्राप दे दिया। श्री राधा रानी के श्राप से सुदामा शंखचूर नाम का दानव बना। दंभ के पुत्र शंखचूर का वर्णन शिवपुराण में भी मिलता है। यह अपने बल के खुमार में तीनों लोकों का स्वामी बन बैठा। साधु-संतों को सताने लगा। साधु-संतों की रक्षा के लिए भगवान शिव ने शंखचूर का वध कर दिया। शंखचूर श्री विष्णु और देवी लक्ष्मी का परम प्रिय भक्त था। भगवान विष्णु ने इसकी हड्डियों से शंख का निर्माण किया इसलिए विष्णु एवं अन्य देवी देवताओं को शंख से जल अर्पित किया जाता है। शंख भगवान विष्णु को बहुत ही प्रिय हैं लेकिन शिव जी ने शंखचूर का वध किया था इसलिए शंख भगवान शिव की पूजा में वर्जित माना गया है।